RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:220 ता. 15 फरवरी 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

अबू धाबी के 'बीएपीएस' हिंदू मंदिर का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन, वैश्विक आरती में लिया हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अबू धाबी में बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) मंदिर का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अबू धाबी में बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) मंदिर में पूजा की। नरेंद्र मोदी हिंदू मंदिर में आयोजित वैश्विक आरती में हिस्सा लिया। ये वैश्विक आरती दुनियाभर में बीएपीएस के 1500 मंदिरों में एक साथ आरती हुई।

पीएम मोदी के उद्घाटन कार्यक्रम से पहले बुधवार को मंदिर का अभिषेक पूरा हो गया। 27 एकड़ भूमि पर निर्मित, यह अबू धाबी में पहला हिंदू पत्थर का मंदिर होगा जिसमें भारतीय संस्कृति और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की पहचान का अनूठा मिश्रण है। खाड़ी देश की उनकी संक्षिप्त दो दिवसीय यात्रा का केंद्र बिंदु बीएपीएस मंदिर का उद्घाटन है, जो संयुक्त अरब अमीरात में उद्घाटन होने वाला दूसरा बड़ा हिंदू मंदिर है। अक्टूबर 2022 में दुबई के मंदिर का उद्घाटन संयुक्त अरब अमीरात के सहिष्णुता मंत्री एचएच शेख नाहयान बिन मुबारक अल नाहयान द्वारा किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी मंदिर के समर्पण समारोह का भी नेतृत्व करेंगे जिसे 1 मार्च को जनता के लिए खोला जाएगा।

मंदिर दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग के पास अल रहबा के पास अबू मुरीखा में संयुक्त अरब अमीरात सरकार द्वारा दान की गई 27 एकड़ जमीन पर बनाया गया है। शिलान्यास समारोह 2019 में हुआ था। विशाल संरचना में 3,000 लोगों को रखने की क्षमता वाला एक प्रार्थना कक्ष है, एक सामुदायिक केंद्र; एक प्रदर्शनी हॉल, एक पुस्तकालय और एक बच्चों का पार्क। मंदिर के अग्रभाग पर गुलाबी बलुआ पत्थर की पृष्ठभूमि पर सुंदर संगमरमर की नक्काशी है, जिसे राजस्थान और गुजरात के कुशल कारीगरों द्वारा 25,000 से अधिक पत्थर के टुकड़ों से तैयार किया गया है। गुलाबी बलुआ पत्थर का परिवहन राजस्थान से किया जाता था।

केंद्रीय मंत्रियों के साथ आज होगी तीसरे दौर की बैठक, पंजाब में रोकी जाएंगी ट्रेन और टोल

किसानों का विरोध जारी, केंद्र के साथ अब होगी तीसरे दौर की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब-हरियाणा सीमा पर पुलिस के साथ भिड़ंत से प्रभावित हुए बिना प्रदर्शनकारी किसानों ने आंसू गैस, पानी की बौछारों और पुलिस के साथ झड़पों के बाद रात भर संघर्षविराम की घोषणा करने के बाद बुधवार को दिल्ली की ओर अपना मार्च फिर से शुरू कर दिया। पंजाब-हरियाणा सीमा पर शंभू में सैकड़ों ट्रैक्टर ट्रॉलियों को कतार में देखा गया क्योंकि भारी सुरक्षा तैनाती, कंक्रीट बैरिकेडिंग और उनकी प्रगति में बाधा डालने के लिए खोदी गई सड़कों के बावजूद किसानों ने अपना 'दिल्ली चलो' मार्च जारी रखा। प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड के पास जाने से रोकने के लिए पुलिस कर्मियों ने बुधवार को फिर से उन पर आंसू गैस के गोले दागे।

दिल्ली और उसके उपनगरों में एक्सप्रेसवे लगातार दूसरे दिन रेंगने वाले मार्गों में तब्दील हो गए क्योंकि यातायात प्रतिबंध और भारी पुलिस बैरिकेडिंग के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। बुधवार को जैसे-जैसे किसान राजधानी के करीब पहुंचेंगे, पुलिस द्वारा सीमाओं पर सुरक्षा उपाय बढ़ाए जाने की संभावना है, जिससे यात्रियों के लिए यह और भी मुश्किल हो जाएगा।

दिल्ली चलो मार्च

2020-21 के विरोध प्रदर्शन की गूँज तब गूंजी जब हजारों किसानों, मुख्य रूप से पंजाब से भारी पुलिस उपस्थिति का सामना करना पड़ा क्योंकि उन्होंने दिल्ली के रास्ते में बैरिकेड्स को तोड़ने का प्रयास किया। राज्य में उनके प्रवेश को रोकने के लिए दृढ़ संकल्पित हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस कनस्तरों, पानी की तोपों और कंक्रीट अवरोधकों से लैस ड्रोन सहित विभिन्न उपाय अपनाए। केंद्र के साथ बेनतीजा बातचीत के बाद 'दिल्ली चलो' मार्च का नेतृत्व संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा कर रहे हैं। उनकी मांगों में फसलों के लिए एमएसपी पर कानून और कर्ज माफी शामिल है।

दिल्ली में कई स्तरों पर बैरिकेड्स और जांच

किसानों के चल रहे विरोध प्रदर्शन के कारण मंगलवार को दिल्ली में कई स्तरों पर बैरिकेड्स और कड़ी सीमा जांच के कारण यातायात अराजकता फैल गई, जिसके परिणामस्वरूप सिंघू, गाज़ीपुर और चिल्ला सीमा बिंदुओं के पास मार्ग अवरुद्ध हो गए और भारी भीड़भाड़ हो गई। यह स्थिति बुधवार को भी बनी रहने की उम्मीद है, खासकर उत्तरी और पूर्वी दिल्ली में, डीएनडी फ्लाईवे पर आवाजाही दो लेन तक सीमित रहेगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की सलाह के अनुसार, सिंघू और टिकरी बॉर्डर आज बंद रहने की संभावना है। किसानों के 'दिल्ली चलो' मार्च को देखते हुए दिल्ली में सुरक्षा उपाय बढ़ाए जा रहे हैं। पंजाब-हरियाणा सीमा पर प्रदर्शनकारियों द्वारा सीमेंट ब्लॉक उठाकर सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश करते देखे जाने के बाद दिल्ली की सीमाओं पर लगाए गए बैरिकेड और कंटीले तारों को मजबूत किया जा रहा है।

किसानों को रोकने दिल्ली और हरियाणा पुलिस ने अपने मोर्चे को और मजबूत किया

नई दिल्ली । सिंधु बार्डर पर आज दूसरे दिन प्रदर्शनकारी किसानों को रोकने के लिए दिल्ली और हरियाणा पुलिस की मोर्चेबंदी का सबसे ज्यादा खामियाजा मजदूर और फैक्ट्री मालिक भुगत रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि किसानों के इस प्रदर्शन से 5 हजार से ज्यादा फैक्ट्रियां और पचास हजार से ज्यादा मजदूर प्रभावित हो रहे हैं। दिल्ली-हरियाणा सीमा पर आसमान में ड्रोन और जमीन पर कंटेनर से लेकर पैरामिलिट्री फोर्स तक की तैनाती की जा चुकी है। आंदोलन को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने सालों पुराने बसों से लेकर लार्ड मशीन तक लगाई गई है। लार्ड मशीन से ऐसी आवाज निकलती है कि ज्यादा देर तक इसके सामने खड़े होने से प्रदर्शनकारी बहरे तक हो सकते हैं।

विभाकर शास्त्री भाजपा में हुए शामिल, कांग्रेस से इस्तीफा दिया

लखनऊ/नई दिल्ली 14 फरवरी (भाषा) पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पोते विभाकर शास्त्री बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गये। इसी के साथ उन्होंने कांग्रेस छोड़ने की घोषणा की। शास्त्री भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपिंदर सिंह और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में लखनऊ में भाजपा में शामिल हुए। विभाकर शास्त्री ने इससे पहले कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को संबोधित पोस्ट में अपने त्यागपत्र की घोषणा की। विभाकर शास्त्री ने कहा, 'सम्मानीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी, मैं कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं।' वह कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव रहे हैं। विभाकर शास्त्री पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पोते और हरि कृष्ण शास्त्री के बेटे हैं। उन्होंने पूर्व में उत्तर प्रदेश की फतेहपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था लेकिन असफल रहे थे। पिछले कुछ वर्षों में कई बड़े नेताओं ने कांग्रेस का दामन छोड़ा है जिनमें अशोक चव्हाण, मिलिंद देवड़ा, बाबा सिद्दीकी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, प्रियंका चतुर्वेदी, सुष्मिता देव, आरपीएन सिंह, जयवीर शेरगिल शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि शास्त्री का भाजपा में आना सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए एक स्वागत योग्य संदेश है। उन्होंने कहा कि चूंकि वह पूर्व प्रधानमंत्री के परिवार से हैं, इसलिए यह स्वाभाविक है कि पार्टी को इस फैसले से फायदा होगा। शास्त्री के एक अन्य रिश्तेदार सिद्धार्थ नाथ सिंह ने इस फैसले का स्वागत किया। सिद्धार्थ नाथ सिंह वर्तमान में इलाहाबाद पश्चिम सीट से भाजपा के विधायक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार की मार्गदर्शक भावना 'सबका साथ सबका विकास' हर किसी को आकर्षित कर रही है।

सोनिया गांधी ने राजस्थान से राज्यसभा के लिए नामांकन किया दाखिल

जयपुर। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया नामांकन के लिए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सुबह करीब 9 बजे जयपुर पहुंचीं थी उनके साथ राहुल और प्रियंका गांधी भी आए। पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह की खाली हो रही सीट पर अब सोनिया गांधी राज्यसभा जाएंगी।

दिल्ली हाईकोर्ट की जमीन पर से अपना अवैध आफिस हटाए आप पार्टी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । दिल्ली में आम आदमी पार्टी के दफ्तर वाली जमीन को लेकर सुप्रीम कोर्ट इस कदर नाराज हुआ कि तुरंत जमीन को लौटाने को कह दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आप सरकार और दिल्ली हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को राउज एवेन्यू में अदालत को आवंटित भूमि पर एक राजनीतिक दल द्वारा किए गए कथित अतिक्रमण को हटाने के लिए एक बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया। राउज एवेन्यू स्थित आप दफ्तर की जमीन पर सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताकर कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट को यह जमीन लौटाई जाए। हालांकि, आम आदमी पार्टी ने आरोपों से दफ्तर वाली जमीन के अतिक्रमण वाले आरोपों से इंकार किया है।

मौर्य के बाद पल्लवी ने दिया अखिलेश को झटका, सपा को नहीं देंगी वोट

लखनऊ। अपना दल (कमेरावादी) की नेता और सिराथू से सपा विधायक पल्लवी पटेल ने साफ कर दिया है कि वह राज्यसभा चुनाव में सपा को वोट नहीं करेंगी। मिली जानकारी के अनुसार पल्लवी ने सपा की ओर से घोषित किए गए प्रत्याशियों को पीडीए (पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यक) की उपेक्षा बताया है। उन्होंने कहा है कि वह राज्यसभा चुनाव में सपा प्रत्याशियों के पक्ष में वोट नहीं देंगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यसभा प्रत्याशियों के चयन के बारे में सपा ने उनसे कोई सलाह मशविरा नहीं किया। मंगलवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव के लिए पीडीए की झंडाबरदार बनी सपा द्वारा जया बच्चन और सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी आलोक रंजन को प्रत्याशी बनाकर पीडीए का एक तरह से हक मारा है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा प्रत्याशियों के चयन के बारे में सपा ने उनसे कोई सलाह मशविरा नहीं किया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीडीए की भावना के विपरीत यह उम्मीदवार तय किए हैं। ऐसे में वह सपा प्रत्याशियों के पक्ष में वोट नहीं डालेंगी।

तीन दिन के लिए मनीष सिसोदिया जेल से आए बाहर, भतीजी की शादी में पहुंचे लखनऊ

लखनऊ । दिल्ली शराब कांड में गिरफ्तार पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तीन दिनों के लिए तिहाड़ जेल से बाहर आ गए हैं। वह अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए सीधे लखनऊ पहुंच गए हैं। जानकारी के अनुसार बीते दिनों दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले में गिरफ्तार मनीष सिसोदिया को एक की शादी में शामिल होने के लिए सोमवार को तीन दिन की अंतरिम जमानत दे दी थी। दरअसल, राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज जस्टिस एम. के. नागपाल ने क्रमश- केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच किए जा रहे भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामलों में 13 से 15 फरवरी तक मनीष सिसोदिया को राहत दी। कोर्ट से राहत मिलने के बाद मनीष सिसोदिया सीधे लखनऊ पहुंचे। लखनऊ में वह अपनी भतीजी की शादी शामिल होने पहुंचे हैं।

अंतरराष्ट्रीय नौसेना अभ्यास मिलन 2024 का आगाज 19 फरवरी से

विशाखपत्तनम । अंतरराष्ट्रीय नौसेना अभ्यास मिलन 2024 का आगाज 19 फरवरी से होगा। विशाखपत्तनम में आयोजित होने वाले यह अभ्यास 27 फरवरी तक चलेगा। 51 मित्र देश की नौसेना इस अंतरराष्ट्रीय अभ्यास में शिरकत कर रहे है। इसमें 35 वॉरशिप और सबमरीन के साथ साथ 50 एयरक्रफ्ट अपनी ताक़त , समन्वय को साझा करेंगे। अंतरराष्ट्रीय नौसेना अभ्यास मिलन अभ्यास दो फेज में होगा पहले हार्बर फेज और दूसरा सी फेज। हार्बर फेज 19 से 23 और सी फेज 24 से 27 फ़रवरी तक आयोजित होगा। सी फेज में ऑपरेशन अभ्यास और ड्रिल को अंजाम दिया जाएगा।

वाह री राजनीति... अशोक चव्हाण की कल पार्टी में ज्वाइनिंग आज राज्यसभा से टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा उम्मीदवारों की नई लिस्ट जारी कर दी है, इसमें हाल ही में कांग्रेस से शामिल हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का नाम भी शामिल है। बीजेपी ने चव्हाण को महाराष्ट्र से ही संसद के उच्च सदन में भेजने का फैसला लिया है। इसके अलावा बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा गुजरात से राज्यसभा जाएंगे।

बीजेपी की लिस्ट के मुताबिक, गुजरात से बीजेपी ने पार्टी अध्यक्ष नड्डा, जाने माने उद्योगपति गोविंद भाई ढोलकिया, मयंकभाई नायक और जशवंतसिंह सलामसिंह परमार को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है, जबकि महाराष्ट्र के कोटे से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण, मेधा कुलकर्णी और अजीत गोपछड़े को उम्मीदवार बनाया गया है।

चव्हाण ने 12 फरवरी को कांग्रेस से इस्तीफा दिया था और 13 फरवरी को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री रहे चव्हाण मराठवाड़ा क्षेत्र के बड़े नेता माने जाते हैं और वे जाने-माने मराठा चेहरा हैं। यह देखकर बीजेपी ने उन्हें राज्यसभा में भेजने का फैसला किया है।

इसके अलावा महाराष्ट्र से जो दूसरा नाम है, वे मेधा कुलकर्णी का। मेधा पुणे के कोथरुड सीट से विधायक रह चुकी हैं। वह राज्य का एक जाना-माना ब्राह्मण चेहरा है। पिछले चुनाव में उनकी जगह चंद्रकांत दादा पाटिल ने चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। उसके बाद से ही उन्हें नाराज बताया जा रहा था। उसके बाद बीजेपी ने कसाबा सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी ने ब्राह्मण चेहरे को नहीं उतारा था, उसके बाद 35 साल में पहली बार पार्टी चुनाव हार गई, इसकारण पार्टी ने ब्राह्मण समुदाय की नाराजगी दूर करने के लिए मेधा को राज्यसभा भेजने का फैसला लिया है। वहीं बीजेपी के तीसरे उम्मीदवार अजीत गोपछड़े हैं, जोकि व्यवसाय से डॉक्टर हैं। उन्होंने 1992 में कारसेवा की थी, उस समय उनकी उम्र 22 साल थी। उन्हें मराठवाड़ा इलाके का बड़ा चेहरा माना जाता है।

इसके अलावा हाल ही में बीजेपी ने उत्तर प्रदेश से पूर्व कांग्रेस नेता आरपीएन सिंह, बीजेपी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, चौधरी तेजवीर सिंह, साधना सिंह, अमरपाल मौर्य, संगीता बलवंत और नवीन जैन को राज्यसभा का टिकट दिया था। इसके अलावा हरियाणा से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बराला, छत्तीसगढ़ से राजा देवेंद्र प्रताप सिंह, कर्नाटक से नारायण कृष्णसा भंडागे और समिक भट्टाचार्य, उत्तराखंड से महेंद्र भट्ट को राज्यसभा का टिकट दिया गया है। इसके अलावा बिहार में छह सीटें खाली हुईं थीं, जिसमें एनडीए और विपक्ष तीन-तीन सीटें जीतने की संभावना है। बीजेपी की सहयोगी जदयू एक सीट के लिए अपने उम्मीदवार का नाम घोषित कर सकती है। बीजेपी राज्य से डॉक्टर धर्मशीला गुप्ता और डॉक्टर भीम सिंह को राज्यसभा भेज रही है।

मछली पकड़ने खाड़ी में उतरा युवक, पैर के नीचे आई विशालकाय शार्क

पालघर । महाराष्ट्र के पालघर में शार्क मछली ने एक युवक के पैर में काटकर उसे घायल कर दिया है । यहां ग्राणीण मछली पकड़ने खाड़ी में उतरे थे । इस दौरान एक युवक के पैर के नीचे विशालकाय जीव आ गया । युवक ने देखा तो वह शार्क फिश थी, जिसका वजन करीब 200 किलोग्राम बताया जा रहा है । हालांकि ग्रामीणों ने शार्क को पकड़ लिया, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। शार्क को पकड़ने के दौरान शार्क ने एक युवक के पैर में काट लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया । महाराष्ट्र के पालघर में मनोर के पास वैतरना नदी की यह घटना बताई जा रही है। नदी में 32 वर्षीय विक्की सुरेश गोवारी के पैर से शार्क टकरा गई। मनोर ग्राम पंचायत के गायकवाड़ डोंगरी के ग्रामीणों ने करीब 200 किलोग्राम वजनी शार्क को पकड़ लिया । इसके बाद शार्क की मौत हो गई । शार्क के पकड़ने के दौरान शार्क ने विक्की सुरेश गोवारी के पैर में काट लिया, जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गया। इसके बाद अन्य लोगों ने युवक को तुरंत इलाज के लिए सिलवासा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया । गौरतलब है कि इससे पहले रत्नागिरी के गणपतिपुले तट पर 35 फीट लंबा व्हेल का बच्चा फंस गया था । इसे 40 घंटे की मशक्कत के बाद वापस समुद्र में धकेला जा सका था । अधिकारियों ने इसे रेयर रेस्क्यू ऑपरेशन बताया था । अधिकारियों ने बताया था कि करीब चार टन वजन का व्हेल का बच्चा तट पर आ गया था। यहां कम ज्वार की वजह से समुद्र तट पर रेत में फंस गया । पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने देखा तो रत्नागिरी पुलिस, तटरक्षक बल समेत अन्य अधिकारियों को सूचना दी । इसके बाद बचाव अभियान चलाया गया । व्हेल के बच्चे को समुद्र की गहराई तक पहुंचाने के लिए अग्निशमन दल, पुलिस और स्थानीय लोगों ने प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी थी । इस दौरान पशु चिकित्सकों की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी। टीम ने व्हेल को जिंदा रखने के लिए उसे तरल पदार्थ दिए थे ।

इंडिगो की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस जांच में जुटी

मुंबई। चेन्नई से मुंबई आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट को कथित रूप से बम से उड़ाने की धमकी दी गई । विमान के टॉयलेट में टिश्यू पेपर पर धमकी भरा संदेश मिला था पेपर पर लिखा था, अगर मुंबई एयरपोर्ट पर उतरे सभी मारे जाएंगे । मैं आंतकी संगठन से हूं और ये बदला है । इस मामले की पुलिस जांच कर रही है। इंडिगो की फ्लाइट मुंबई एयरपोर्ट पर उतरने वाली थी। 40 किलोमीटर की दूरी पर थी तभी हवाई यातायात नियंत्रण को टॉयलेट में एक टिश्यू पेपर पर फ्लाइट में बम होने की जानकारी मिली । पुलिस के मुताबिक, फ्लाइट के टॉयलेट में टिश्यू पेपर पर धमकी भरा पत्र मिला था । जिसमें लिखा था, मेरे बैग में बम है । कहा जा रहा है कि टॉयलेट में मिले टिश्यू पेपर पर इस प्रकार से धमकी भरा संदेश लिखा था, जिससे फ्लाइट में यात्रियों के बीच डर और अशांति फैल गई। विमान के एयरपोर्ट पर लैंड होते ही आनन-फानन में सभी यात्रियों को नीचे उतारने के बाद विमान की जांच की गई । लेकिन राहत वाली बात रही कि विमान में ऐसा कुछ नहीं मिला । मुंबई एयरपोर्ट पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।

गुजरात पुलिस ने दो साल में 5,956 करोड़ रुपये के ड्रग्स जब्त किए, सरकार ने विधान सभा में दी जानकारी

गांधीनगर । गुजरात पुलिस ने पिछले दो वर्षों के दौरान 5,956 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त किए हैं और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल 48 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है । राज्य सरकार ने बुधवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। मादक पदार्थ के मुद्दे पर विधानसभा में तीखी बहस के दौरान गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने विपक्षी कांग्रेस से इस मामले पर राजनीति बंद करने को कहा । इस दौरान मंत्री ने कांग्रेस द्वारा केवल कच्छ में अदानी समूह द्वारा संचालित मुंद्रा बंदरगाह का उल्लेख करने पर भी सवाल उठाया। मुद्रा बंदरगाह में 2021 में केंद्रीय एजेंसियों ने अफगानिस्तान से आयातित दो कंटेनरों से 20,000 करोड़ रुपये मूल्य की 3,000 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी । प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक गेनीबेन ठाकोर ने जानना चाहा कि क्या राज्य सरकार 2021 में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की जब्ती के मद्देनजर मुंद्रा बंदरगाह पर परिचालन संभालने वालों को गिरफ्तार करना चाहती है । इसके जवाब में सांघवी ने कहा कि मुंद्रा एकमात्र बंदरगाह नहीं है जहां से गुजरात पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त किए हैं ।

पूनम को महंगा पड़ा मौत का भ्रम फैलाना, 100 करोड़ की मानहानि

मुंबई। सर्वाइकल कैंसर के चलते पूनम पांडे की मौत की खबर हाल ही में हर जगह चर्चा का विषय रही । बाद में पूनम पांडे ने सोशल मीडिया पर आकर बताया कि वह जिंदा हैं तो लोगों ने उन्हें जमकर खरी खोटी सुनाई । अपनी मौत का झूठी खबर उड़ाने के बाद अब पूनम पांडे और उनके पति सैम बॉम्बे मुश्किल में पड़ते नजर आ रहे हैं । मुंबई के रहने वाले फैजान अंसारी ने कानपुर पुलिस कमिश्नर के साथ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मामला दर्ज कराया है । मालूम हो कि पूनम पांडे की मौत का ड्रामा खत्म होने के बाद एक्ट्रेस को जमकर लताड़ा गया था । ऑल इंडिया सिने वर्कर्स असोसिएशन ने बयान जारी करते हुए एक्ट्रेस के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की अपील की थी। सेलेब्रिटीज से लेकर डॉक्टर्स और राजनेताओं तक ने पूनम पांडे द्वारा रचे गए इस पब्लिसिटी स्टंट की निंदा की थी और उनके अच्छे दोस्त मुनव्वर फारूकी

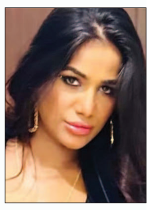

ने कहा था कि इस तरह से अवेयरनेस नहीं फैलाई जाती है । अपनी एफआईआर में फैजान अंसारी ने आरोप लगाया है कि पूनम पांडे और उनके पति सैम बॉम्बे ने पब्लिसिटी पाने के लिए कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को लेकर लोगों में सीरियसनेस घटाने और अपनी मौत की झूठी खबर का ड्रामा खड़ा करने का काम किया है । फैजान ने लिखा है कि पूनम पांडे ने अपनी इन हरकतों से ना सिर्फ करोड़ों भारतीय का विश्वास तोड़ा है बल्कि बॉलीवुड के बेहिसाब लोगों की छवि को भी खराब करने का काम किया है । क्योंकि पूनम पांडे कानपुर की रहने वाली हैं इसलिए फैजान ने लिखा है कि वो खुद सिविल लाइन्स कानपुर कोर्ट पहुंचकर पूनम और उनके पति सैम बॉम्बे के खिलाफ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मामला दर्ज करा रहे हैं जिसकी एक कॉपी उन्होंने कानपुर पुलिस कमिश्नर को भी दी है । फैजान ने अपनी एफआईआर कॉपी में पूनम पांडे के खिलाफ तुरंत अरेस्ट वारंट जारी करने की अपील की है ।

जेल के अंदर रहकर भी मुझे परेशान कर रहा ठग सुकेश चंद्रशेखर : जैकलीन

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस लंबे समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं । जैकलीन फर्नांडिस का नाम कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ रहा है, इसकारण वह कानूनी पचड़े में फंसे हुईं हैं । बीते दिनों ही ईडी ने कहा था कि जैकलीन सुकेश की 200 करोड़ की ठगी में बराबर की हिस्सेदार थीं । इन दावों के बीच जैकलीन फर्नांडिस ने पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा के पास कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी है । जैकलीन का दावा है कि जेल में रहने के बावजूद सुकेश उन्हें लगातार परेशान कर कर धमकी दे रहा है । वह लगातर जैकलीन को पत्र लिखकर अपनी भावनाएं बयां करते रहते हैं । इससे परेशान होकर अभिनेत्री ने शिकायत की है । रिपोर्ट के मुताबिक जैकलीन ने हाल ही में पुलिस कमिश्नर अरोड़ा को एक पत्र लिखा है । उन्होंने गवाह की सुरक्षा में सिस्टम की तरफ से विफलता पर भी चिंता जाहिर की है । जैकलीन ने पुलिस कमिश्नर से उनकी सुरक्षा के लिए फौरन कार्रवाई करने की मांग की है ।

जनता को परेशान करके सरकार पर दवाब बनाने का प्रयास है किसान आंदोलन

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान आंदोलन के बहाने कथित किसान आम जनता को परेशान करके सरकार पर दवाब बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जगह जगह जाम लगे हुऐ हैं। जनता का रास्ता बंद हो गया है और तीनों सीमाओं पर पुलिस और किसान आमने सामने आ गए है। कब क्या हो जाए कोई नहीं जानता। किसानों को मनाने के लिए दो बार सरकार के साथ बैठकें हो गई हैं लेकिन नई नई मांगे जोड़ने के कारण समाधान नहीं निकल पा रहा है। दूसरी बात ये है कि कई मांगे ऐसी हैं जिन्हे तत्काल पूरा नहीं किया जा सकता है। ऐसे में लोगों का मानना है कि ये आंदोलन करने वाले मांगों के बहाने आम जनता को जबरियां परेशानी में डाल रहे हैं। मंगलवार को सरकार ने कह दिया है कि वह बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन किसानों को लगातार नई मांगों को जोड़ने से बचना चाहिए। हालांकि, खबरें हैं कि सरकार ने किसानों की कुछ मांगों को मान लिया है। इसमें पिछले आंदोलन के दौरान दर्ज मामलों को तय प्रक्रिया के बाद वापस लेना शामिल है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, अगर आप भारत को डब्ल्यूटीओ से अलग होने, मुक्त व्यापार समझौते खत्म करने की बात करोगे, अगर आप स्मार्ट मीटर लगवाना बंद करने की मांग करोगे और कहोगे कि हमें पराली जलाने के मुद्दे में शामिल नहीं करो या कृषि को जलवायु मुद्दे से बाहर रखने के लिए कहोगे, तो ये एक दिन में लिए जाने वाले फैसले नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा, इसके लिए हमें अन्य हितधारकों और राज्यों से बात करनी होगी। यही वजह है कि सरकार ने एक समिति गठित करने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने बताया कि बीते दस सालों में किसानों के लिए कल्याण के लिए कई योजनाएं लाई गई हैं। उन्होंने कहा, इसलिए बातचीत के दौरान पहले उठकर नहीं जाते हैं, लेकिन प्रदर्शनकारी निकल जाते हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि एमएसपी को और असरदार और पारदर्शी बनाने के लिए साल 2022 में गठित समिति के लिए संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रतिनिधियों का नाम नहीं दिया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा, चंडीगढ़ में दो चरण की बातचीत के बाद हमने उनकी कई मांगें मान ली हैं, लेकिन कुछ मुद्दों पर समझौता नहीं हो पाया है। बातचीत जारी है। खबर है कि किसानों के खिलाफ दर्ज कई मामलों को बीते दो सालों में वापस ले लिया गया है। 2020-21 में किसानों ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन किया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बातचीत करने की आवश्यकता है। सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने के लिए बाध्य है। उन्होंने कहा कि जनता को परेशानी में नहीं डालना चाहिए और किसान संगठनों को इसे समझना चाहिए। मुंडा ने कहा कि सरकार बातचीत के लिए तैयार है। किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कई पक्ष से बात करनी होगी। उसके बाद किसान संगठनों के साथ भी बात होगी। इसके अलावा अनुकूल और प्रतिकूल विषयों पर भी चर्चा करनी होती है जिससे व्यापक हित को देखा जा सके। उन्होंने कहा कि किसानों को इसे समझने की जरूरत है।

किसानों की मांग पर गंभीरता से विचार करे केंद्र : मायावती

लखनऊ । एमएसपी को लेकर कानून बनाने और अन्य मांगों को लेकर किसानों का आंदोलन दिल्ली की सीमाओं पर जारी है । इस लेकर बसपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने केंद्र सरकार को गंभीरता से लेने की बात कही । बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि मोदी सरकार को किसानों की मांगों को गंभीरता से लेना चाहिए और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय केंद्र को किसानों को बातचीत करनी चाहिए । मायावती ने लिखा, मोदी सरकार भारत को अन्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाने वाले मेहनतकश किसानों की मांगों को गंभीरता से ले और उन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करके उनका समय से समुचित समाधान करे, ताकि अन्नदाता किसानों को अपनी मांगों के समर्थन में बार-बार आंदोलन के लिए मजबूर न होना पड़े । मायावती ने कहा कि यदि केंद्र दिल्ली चलो' आंदोलन में शामिल किसानों पर सख्ती करने के बजाय उनसे वार्ता करके प्रदर्शन को समाप्त कराने का प्रयास करती है, तब यह बेहतर होगा ।

'पश्चिम बंगाल में जंगलराज', बीजेपी का आरोप- टीएमसी के गुंडों के टेप से बंद है ममता बनर्जी का मुंह

कलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के संदेशखालि में महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर भाजपा ममता बनर्जी की सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। वहां लगातार छठे दिन प्रदर्शन हो रहा है। मंगलवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा संदेशखाली में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा की घोषणा को रद्द करने के बाद राज्य सरकार ने संदेशखाली के कुछ हिस्सों में धारा 144 फिर से लागू कर दी। भाजपा ने एक बार फिर से ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर निशाना साधा है।

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हमारी जनजातीय बहनों (खासकर हिंदू बहनों) के साथ टीएमसी के गुंडे दिनदहाड़े शोषण और बलात्कार कर हैं और सूबे की मुख्यमंत्री मूकदर्शक बनी हुई हैं, ये बहुत ही चिंताजनक है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ममता सरकार बलात्कारियों को संरक्षण दे रही है। पश्चिम बंगाल में जंगलराज चल रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जंगलराज लोगों के उत्पीड़न और शोषण का बेशर्म अड्डा बन गया है। हमारी बहनों के साथ बलात्कार और दुर्व्यवहार हो रहा है, लेकिन ममता दीदी मूकदर्शक बनकर खड़ी हैं! टीएमसी के गुंडों के 'टेप' से ममता का मुंह बंद है।

गौरव भाटिया ने कहा कि निश्चित रूप से, पश्चिम बंगाल राज्य में अराजकता की स्थिति के अलावा और कुछ नहीं है। वहां 'क़ानून का राज' नहीं, बल्कि अराजक शासक ममता बनर्जी का 'क़ानून' चलता है। उन्होंने कहा कि एक तरफ मोदी सरकार जनजातीय समुदाय को मजबूत कर रही है, मुख्यधारा से जोड़ रही है, उनका सशक्तिकरण कर रही है। दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल में गैरकानूनी तरीके से जबरन जनजातीय समुदाय की जमीने छीनी जा रही है। सवाल ये है कि ममता बनर्जी को जनजातीय समुदाय, पिछड़े और दलित समाज से इतनी नफरत क्यों है?

भाजपा नेता ने कहा कि जिन महिलाओं का शोषण किया गया, जिनके साथ बलात्कार हुआ, उनके परिजनों के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज कर दी गई, ताकि डरा-धमकाकर इस मामले को दबा दिया जाए। ममता बनर्जी महिला मुख्यमंत्री होते हुए भी बंगाल में टीएमसी के गुंडों को महिलाओं के खिलाफ अत्याचार करने की छूट दे रखी है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक जिम्मेदार पार्टी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसी महिला ने किस पार्टी को वोट दिया है, यह हर उस महिला की लड़ाई है जिसने संविधान में अपना विश्वास बनाए रखा है। एक तरफ मोदी सरकार आदिवासी समुदाय को मजबूत कर रही है, उन्हें मुख्यधारा से जोड़ रही है और उन्हें सशक्त बना रही है।

चव्हाण के भाजपा में पहुंचते ही उठा सवाल- क्या आदर्श घोटाले के दाग भाजपा की बाशिंग मशीन में धुल जाएंगे

मुंबई (एजेंसी)। राजनीति भी बड़ी निराली है,इस कोठरी में लगे दाग आसानी से जाते नहीं है। सभी आरोपों से मुक्ति मिल सकती है लेकिन सियासी दाग यदाकदा दिखाई देते ही हैं। कांग्रेस में 40 साल बिताने के बाद भाजपा का दामन थाम चुके महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण पर लगे आदर्श हाउसिंग घोटाले के आरोप, उनका पीछा नहीं छोड़ रहे हैं। भाजपा ज्वाइन करने के बाद ही सवाल उठने लगे कि क्या भाजपा की वॉशिंग मशीन में आदर्श हाउसिंग घोटाले के दाग निकल जाएंगे। इस सवाल का जवाब भाजपा की तरफ से तो नहीं आया, लेकिन खुद चव्हाण ने एक एक बात सबके सामने रख दी। अशोक चव्हाण का कहना है कि इस मामले में हाई कोर्ट का फैसला उनके पक्ष में आया था। उन्होंने कहा, बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस मामले में फैसला मेरे पक्ष में दिया था। यहां तक कि यह मामला एक राजनीतिक हादसे की तरह था। कुछ एजेंसियों ने इस मामले में फैसले पर सवाल भी उठाए थे। मुझे इसके चलते काफी परेशानी उठानी पड़ी है। अब मुझे लगता है कि यह कोई मुद्दा ही नहीं है।

यह सब बंद होना चाहिए। वहीं उन्हें पार्टी में एंट्री दिलाते हुए राज्य के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अशोक चव्हाण का कद राष्ट्रीय स्तर का है। इसलिए उनकी भूमिका कोई हाईकमान द्वारा ही तय किया जाएगा। फडणवीस ने कहा कि देश भर में तमाम नेता भाजपा जॉइन कर रहे हैं। अशोक चव्हाण ने हमसे कहा था कि वह पार्टी में बिना शर्त आना चाहते हैं। उनका कहना था कि मैं किसी पद के लिए नहीं आ रहा हूं बल्कि देश के लिए योगदान देना चाहता हूं। अशोक चव्हाण का पहले गुरुवार को ही भाजपा में आने का प्लान था, लेकिन इस कार्यक्रम को दो दिन पहले ही कर लिया गया। इसकी वजह यह है कि अशोक चव्हाण को राज्यसभा भेजा जा रहा है और पहले ही जॉइन करा लिया है तो उनको नामांकन के लिए वक्त मिल सकेगा।

हाईकोर्ट की जमीन पर आप का कब्जा, सुप्रीम कोर्ट भी हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी का दफ्तर हाईकोर्ट की जमीन पर बना हुआ है। 2016 से चल रहे इस दफ्तर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने भी हैरानी जताई है। कोर्ट ने कहा कि यह हैरानी वाली बात है कि दिल्ली हाई कोर्ट की जमीन पर किसी राजनीतिक पार्टी का ऑफिस चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट को उनकी जमीन वापस कर दी जाए। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने कहा कि राजनीतिक दल इस मामले पर चुप कैसे बैठ सकता है। हाई कोर्ट जमीन का इस्तेमाल केवल जनता और नागरिकों की भलाई के लिए ही करेगा। देश भर के कोर्ट के न्यायिक बुनियादी ढांचे के मुद्दे पर सुनवाई के दौरान वकील के परमेश्वर ने पीठ को बताया कि दिल्ली हाई कोर्ट के अधिकारी जो जमीन पर कब्जा लेने गए थे, उन्हें आप के अधिकारियों ने रोक दिया था।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव, दिल्ली लोक निर्माण विभाग के सचिव और वित्त सचिव को निर्देशों का पालने करने के लिए हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के साथ एक बैठक करने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अब आगे की सुनवाई के लिए 19 फरवरी की तारीख तय की है। सुप्रीम कोर्ट पहले भी बुनियादी परियोजनाओं में फंड में देरी करने के लिए दिल्ली सरकार को फटकार लगा चुका है।दिल्ली सरकार के कानून सचिव भरत पाराशर ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि यह जमीन आम आदमी पार्टी के पास साल 2016 से है। उन्होंने आगे कहा कि यह एक बंगला था जिस पर एक मंत्री ने कब्जा कर लिया था और बाद में राजनीतिक पार्टी ने कब्जा कर अपना ऑफिस बना लिया। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की तरफ से पेश वकील को यह बताने के लिए कहा कि हाई कोर्ट की जमीन को कैसे वापस किया जाए।

मेरी मौत हुई तो मराठा, महाराष्ट्र को उसी तरह जला देंगे जैसे हनुमान ने लंका जलाई थी: मनोज जरांगे

जालना (एजेंसी)। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने राज्य सरकार को बुधवार को चेतावनी दी कि यदि भूख हड़ताल के दौरान उनकी मौत हो जाती है तो मराठा समुदाय के सदस्य महाराष्ट्र को उसी तरह आग लगा देंगे, जैसे भगवान हनुमान ने लंका जलाई थी। जरांगे के एक नजदीकी कार्यकर्ता ने बताया कि जरांगे का अनिश्चितकालीन अनशन बुधवार को पांचवें दिन भी जारी है जिसके कारण उनका स्वास्थ्य खराब हो रहा है लेकिन वह चिकित्सकों को अपनी जांच नहीं करने दे रहे।

जरांगे मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समूह में शामिल करने की मांग को लेकर महाराष्ट्र के जालना जिले में अपने पैतृक गांव अंतरवाली सरती में अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे हैं। कार्यकर्ता किशोर मरकड ने जरांगे के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में कहा, ''जरांगे का अनिश्चितकालीन अनशन पांचवें दिन भी जारी है और उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। उनकी नाक से खून बह रहा है, लेकिन वह चिकित्सकों को अपनी जांच नहीं करने दे रहे।''

उन्होंने कहा कि वह न तो पानी पी रहे हैं और न ही दवाएं ले रहे हैं। जरांगे ने मांग की है कि कुनबी मराठा समुदाय के 'सगे-संबंधियों' से जुड़ी मसौदा अधिसूचना को कानून में बदलने के लिए महाराष्ट्र विधानमंडल का एक विशेष सत्र बुलाया जाए। जरांगे ने प्रदर्शन स्थल पर संवाददाताओं से कहा, ''रामायण में भगवान हनुमान ने पूंछ से लंका में आग लगा दी थी। अगर मैं इस प्रदर्शन के दौरान मर गया तो मराठा, महाराष्ट्र को लंका बना देंगे।'' उन्होंने यह भी धमकी दी कि महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कोई भी सार्वजनिक सभा नहीं होने दी जाएगी।

उन्होंने मराठा समुदाय के सदस्यों से बुधवार को जालना में मराठा संगठनों द्वारा बुलाए गए शांतिपूर्ण 'बंद' में शामिल होने की अपील की। जरांगे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्रियों देवेन्द्र फडणवीस एवं अजित पवार पर 'सगे-संबंधियों' से जुड़ी मसौदा अधिसूचना को लागू नहीं करके और पिछले साल आंदोलन के दौरान मराठा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दायर मामलों को वापस नहीं लेकर मराठा समुदाय को धोखा देने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि अजित पवार मंत्री और वरिष्ठ राकांपा (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) नेता छगन भुजबल का समर्थन कर रहे हैं जबकि भुजबल मराठा समुदाय को ओबीसी श्रेणी में शामिल करने के खिलाफहैं। यह एक साल से भी कम समय में चौथी बार है जब जरांगे मराठा समुदाय को ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) समूह के तहत शामिल करने की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे हैं।

बिजली, आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश की आशंका

-दिल्ली समेत कई राज्यों में आईएमडी का अलर्ट, ओलावृष्टि के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में बिजली, आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश की आशंका है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि कई जगह ओले गिरने के भी आसार है, इसके मद्देनजर सावधान रहने की जरूरत है। हालांकि आने वाले दिनों तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। लेकिन फिलहाल मौसम ठंडा बना हुआ है। पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में आज (14 फरवरी) को बर्फबारी की संभावना है। उत्तर भारत समेत देशभर में मौसम आंख-मिचौली खेल रहा है। मौसम विभाग ने आज यानी बुधवार को उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में तेज हवा और बारिश की बौछारें पड़ने की संभावना जताई है। आईएमडी का कहना है कि आज पूर्वी भारत के अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि के साथ तूफान आने का अनुमान है।

राजधानी दिल्ली में बुधवार को हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। यहां मंगलवार सुबह पारा 11 डिग्री सेल्सियस पर था और शहर के कुछ हिस्सों में थोड़ी धुंध छा गई। जबकि दिल्ली-एनसीआर में आने वाले दिनों आसमान साफ रहने की उम्मीद है और तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इस हफ्ते दिल्ली में न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दिल्ली में मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 327 बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। आईएमडी के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम में तेज हवाएं चलेंगी तथा बारिश की बौछारें भी पड़ेंगी। कुछ स्थानों पर बिजली गिरने की आशंका है।

वहीं अगर पहाड़ी राज्यों की बात करें तो हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी होने की संभावना बन रही है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में हल्की से मध्यम बारिश के साथ ओलावृष्टि का अनुमान लगाया गया है। इसके अलावा पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़ और झारखंड में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इधर तमिलनाडु में भी हल्की बारिश का अनुमान लगाया जा रहा है।

ब्रिटेन में 1.10 करोड़ कामकाजी लोग भारी आर्थिक संकट में

लंदन। ब्रिटेन में 1.10 करोड़ लोगों की आबादी भारी आर्थिक संकट से जूझ रही है। आपदा के समय खर्च करने के लिए उनके पास पैसे नहीं होते हैं। नियमित खर्च के लिए पैसे नहीं है। नौकरी से सेवानिवृत होने के बाद जरूरी खर्च पूरे नहीं कर पा रहे हैं। एक करोड़ 10 लाख लोंगो के पास 1000 पाउंड की भी बचत नहीं है। जो वह मुसीबत के समय उपयोग कर सकें ब्रिटेन में पिछले कुछ वर्षों से लोगों की बचत लगातार घटती हुई चली जा रही है। ब्रिटेन की आबादी में एक करोड़ 10 लाख लोगों के पास 1000 पाउंड की बचत भी नहीं है। बचत योजनाओं के लिए अभियान चलाने वाली संस्था रेजोल्यूशन फाउंडेशन का कहना है, लाखों लोगों के पास आकस्मिक समस्या से निपटने के लिए भी बचत नहीं है। ब्रिटेन में बेरोजगारी भी बढ़ती जा रही है। काम काजी लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है। जिसके कारण उनका आर्थिक संकटबढ़ गया है। जरूरी खर्च के लिए भी उनके पास पैसे नहीं है। इसके पहले ब्रिटेन की यह स्थिति कभी नहीं थी।

डॉक्टर की सामने आई दरिंदगी, मरीजों को बनाया हवस का शिकार

लंदन। दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड में भारतीय मूल के डॉक्टर को मरीजों के यौन उत्पीड़न मामले में सजा हुई है। 47 वर्षीय एक पारिवारिक डॉक्टर को तीन महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न करने का दोषी पाया गया है। इन तीन में एक महिला कैंसर से जूझ रही है। हाल ही में पोर्ट्समाउथ क्राउन कोर्ट में तीन सप्ताह की सुनवाई के बाद हैम्पशायर के हैवंत में स्टॉन्टन सर्जरी के पूर्व जनरल प्रैक्टिशनर मोहन बाबू को यौन उत्पीड़न के चार मामलों में दोषी ठहराया गया।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, डॉक्टर को 12 फरवरी को उसी अदालत में सजा सुनाए जाने के बाद सशर्त जमानत पर रिहा कर दिया गया। अदालत को पता चला कि यौन हमले सितंबर 2019 और जुलाई 2021 के बीच किए गए थे। सबसे कम उम्र की पीड़िता की उम्र 19 वर्ष है। डॉक्टर मोहन बाबू ने तीनों महिलाओं को स्टॉन्टन सर्जरी परिसर में हवस का शिकार बनाया था, जहां वह अपनी पत्नी के साथ काम करता था। जूरी सदस्यों को बताया गया कि मोहन बाबू के खिलाफ कई शिकायतें मिली थीं। उसे उसके आचरण पर बार-बार चेतावनी दी गई थी, जिसमें पीड़ितों को अनुचित तरीके से छूना और गलत कमेंट्स करना शामिल था। क्राउन कोर्ट ने उनके पूर्व कार्यस्थल पर एक रिसेप्शनिस्ट सहित पांच अन्य महिलाओं को उसके 'अति परिचित' व्यवहार के बारे में शिकायत करते हुए सुना, लेकिन उनकी शिकायतों के बारे में आपराधिक कार्यवाही नहीं की गई।।

कैंसर पेशेंट को भी बनाया शिकार

डॉक्टर मोहन बाबू के बारे में पहली शिकायत अगस्त 2019 में 16 महीने बाद आई थी। अभियोजक मूरे ने कोर्ट को बताया कि मई और अगस्त 2019 के बीच बाबू ने 57 वर्षीय एक महिला के साथ आमने-सामने परामर्श किया, जिसे जून 2019 में अग्नाशय कैंसर का पता चला था और अब उसकी मौत हो चुकी है। महिला के मामले का हवाला देते हुए उन्होंने अदालत को बताया कि कैसे बाबू ने गैरजरूरी जांच करने के बहाने भद्दी टिप्पणियां कीं और मरीजों पर शारीरिक हमला करने के लिए अपने पेशे का फायदा उठाया। घुटने और कूल्हे की समस्याओं का इलाज कराने वाली एक महिला मरीज ने कहा कि बाबू ने उसे गले लगाया और उसका फोन नंबर मांगा। इसके बाद कई महिलाओं ने शिकायत की।

रेडियो स्टेशन का 200 फीट ऊंचा टावर ही ले उड़े चोर, पुलिस भी हुई हैरान

वाशिंगटन। दुनिया में आए दिन चोरी की घटनाओं के बीच अमेरिका में एक ऐसी चोरी हुई है, जिसके बारे में जानकर हर कोई हैरान है। दरअसल यहां एक रेडियो स्टेशन का 200 फीट ऊंचा टॉवर चोर चुरा ले गए। अमेरिका में हुई इस रेडियो टावर की चोरी को अब तक की सबसे अजीबोगरीब चोरी की घटना बताया जा रहा है। जब पुलिस को इस चोरी के बारे में पता चला, तो उनका भी दिमाग चकरा गया। मिली जानकारी के अनुसार अमेरिका के अलाबामा राज्य के जैसपर शहर में एक छोटे स्तर का रेडियो स्टेशन है। जिसका नाम डब्ल्यूपेएलएक्स है। इसी महीने की शुरुआत में रेडियो स्टेशन के आधिकारिक फेसबुक पेज पर इस घटना के बारे में बताया गया। स्टेशन के मालिक ब्रेट एलमोर ने लिखा कि उन्हें पता था उनके रेडियो स्टेशन के इलाके में चोर चोरी कर रहे हैं, पर वो ये नहीं जानते थे कि वो चोर उनका टॉवर भी चुरा लेंगे। 3 फरवरी को शेयर किए गए इस पोस्ट में उन्होंने बताया कि सुबह उनके रेडियो स्टेशन के लोग टवार के पास साफ-सफाई करने गए थे। टावर कुछ दूरी पर लगा था। जब वो उस जगह पर पहुंचे, तो टॉवर को गायब देखकर देखकर हैरान हो गए। इस दौरान दफ्तर में जबरन घुसपैठ हुई थी, सामान से छेड़छाड़ की गई थी और पूरा का पूरा टावर ही गायब था। वो टावर 200 फीट लंबा था। ब्रेट ने कहा कि किसी तरह वो चोर उस टावर को वहां से उखाड़कर लेते गए। उन्हें जब इसके बारे में पता चला, तो उन्होंने दो बार पूछा कि क्या उनकी टीम के लोग टावर ही बोल रहे हैं या कुछ और! उनके लिए ये यकीन कर पाना बिल्कुल मुश्किल है। उन्होंने बताया कि जब पुलिस को इसके बारे में बताया गया तो वो भी काफी हैरान हुए। उन्होंने कहा कि टावर चोरी होने से उनका काफी नुकसान हुआ है। चोरों ने सिर्फ टावर ही नहीं, ट्रांसमीटर भी चुरा लिया है। चोरी गया सामान दोनों मिलाकर कम से कम 50 लाख रुपये का आएगा। जब उसकी कीमत लगवाई गई तो अन्य सामानों को खरीदने में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का खर्च हो सकता है। पुलिस जांच में जुटी हुई है, पर लोगों ने भी मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। इस वजह से उन्होंने एक गो फंड मी का कैंपेन शुरू कर दिया है, जिसके जरिए वो दोबारा टावर के लिए लोगों से धन जुटा रहे हैं।

अमेरिका में भारतीय मूल के दंपती और उनके जुड़वां बेटे घर में मृत मिले

न्यूयॉर्क। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में भारतीय मूल के एक दंपती और चार-वर्षीय उनके जुड़वां बेटे घर में मृत पाए गए हैं। पुलिस इस मामले की जांच हत्या-आत्महत्या के दृष्टिकोण से कर रही है। दरअसल, हाल के दिनों में अमेरिका में भारतीय समुदाय के लोगों को निशाना बनाकर कई हमले हुए हैं। अमेरिकी टेलीविलन नेटवर्क एनबीसी बे एरिया की खबर के मुताबिक, मृतकों की पहचान आनंद सुजीत हेनरी और उनकी पत्नी एलिस प्रियंका के अलावा चार वर्षीय जुड़वां बेटों के रूप में की गयी है। पुलिस ने बताया कि पीड़ितों की पहचान अभी तक जारी नहीं की गई है। एनबीसी की खबर में पुलिस के हवाले से कहा गया है कि यह घटना सोमवार को सैन मेटो इलाके में हुई। पुलिस ने बताया कि सोमवार को 911 नंबर पर कॉल करके यह बताया गया था कि कुछ समय से संबंधित मकान से किसी प्रकार की हलचल नहीं सुनाई दे रही है, इसके बाद पुलिस वहां पहुंची थी और घर के दरवाजे की पड़ताल की तथा वहां किसी प्रकार के जबरन प्रवेश के संकेत नहीं मिले। सैन मेटो पुलिस विभाग के सार्वजनिक सूचना अधिकारी जेरमी सुर्राट ने कहा, ''दुर्भाग्यपूर्ण रूप से हमने घर के अंदर चार मृत लोगों को पाया, जिनमें एक वयस्क पुरुष, एक वयस्क महिला और दो बच्चे थे।'' पुलिस ने मंगलवार को कहा कि इस मामले की जांच हत्या-आत्महत्या के दृष्टिकोण से की जा रही है।

हिजबुल्लाह नेता ने कहा- गाजा युद्ध समा ?प्ति तक इजरायल पर हमला जारी रखेगा

बेरूत। हिजबुल्लाह नेता सैय्यद हसन नसरल्लाह ने कहा है कि लेबनानी सशस्त्र समूह इजरायल के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में अपने हमले तब तक नहीं रोकेगा जब तक गाजा पर इजरायल का हमला समाप्त नहीं हो जाता। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार नसरल्लाह ने मंगलवार को स्थानीय टीवी चैनल अल-मनार पर हिजबुल्लाह सेनानियों की याद में एक भाषण में कहा था कि समूह गाजा पर यहूदी युद्ध की समाप्ति से पहले सीमा पर हमले नहीं रोकेगा। नसरल्लाह ने कहा कि दक्षिणी लेबनान में समूह के सैन्य मोर्चे का उद्देश्य इजरायली दुश्मन को तब तक कमजोर करना है जब तक कि वह आश्वस्त न हो जाए कि उसे गाजा में अपनी आक्रामकता रोकनी होगी। उन्होंने कहा ?कि यह मोर्चा तभी रुकेगा जब फिलिस्तीनी प्रतिरोध के साथ समझौते के तहत गाजा के खिलाफ आक्रामण बंद हो जाएगा। नसरल्ला ने कहा कि लेबनान को इजरायली आक्रामकता से बचाना हिजबुल्लाह का भी राष्ट्रीय कर्तव्य है और अगर इजरायल के हमले जारी रहे तो वह जवाबी लड़ाई जारी रखेगा। लेबनान-इज़रायल सीमा पर 8 अक्टूबर 2023 से तनाव बढ़ गया है, जब लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने एक दिन पहले इज़रायल पर हमास के हमले के समर्थन में इज़रायल की ओर दर्जनों रॉकेट दागे थे, जिसके जवाब में इज़रायल ने दक्षिण-पूर्वी लेबनान की ओर भारी गोलाबारी की।

हेजल में बर्फ के तूफान के बाद एक सेल्फ कंसलटेंट रोबर्ट केरापिलूसी कारों के ऊपर जमी बर्फ को हटाते हुए।

मस्क का दावा : पुतिन युद्ध नहीं हार सकते

सैन फ्रांसिस्को(ईएमएस)। टेस्ला इंक के सीईओ एलन मस्क ने यूक्रेन-रूस संघर्ष के बारे में एक्स स्पेस पर अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटरों से बात की। मस्क ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ यूक्रेन की जीत की संभावनाओं पर संदेह जताते हुए सीनेटर रॉन जॉनसन से सहमति जताई। उन्होंने कहा, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के संघर्ष हारने की संभावना नहीं है। मस्क का रुख राष्ट्रपति बाइडन और सीनेटर मैककोनेल से अलग है, जो मानते हैं कि यूक्रेन की रक्षा में सहायता करना अमेरिका के हितों की रक्षा करने और अन्य निरंकुश शासनों को संघर्ष शुरू करने से रोकने के लिए महत्वपूर्ण है। जैसे ही सीनेट ने देर रात तक विधेयक पर बहस की, मस्क को संदेह जताया कि क्या सैन्य बल का उपयोग करने से संघर्ष समाप्त हो सकता है। उन्होंने दोनों तरफ से सैनिकों की जान गंवाने को लेकर चिंता व्यक्त की। और पुतिन को हटाने को लेकर भी सवाल उठाया। मस्क ने स्थिति की जटिलता को दर्शाते हुए संकेत दिया कि पुतिन की जगह लेने वाला नया नेता और भी सख्त हो सकता है।

पद लेने से पीछे हटे नवाज, शहबाज पीएम बनेंगे, मरियम पंजाब की सीएम

-जरदारी को प्रेसिडेंट बनाकर पाकिस्तान में सरकार बनाने का फॉर्मूला हुआ तैयार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजनीति में नया मोड़ आ गया है। दरअसल नवाज शरीफ ने खुद पद ना लेने का फैसला लिया है। इसके बाद शहबाज शरीफ को पीएम बनाने पर सहम?ति बनी है। मिली जानकारी के अनुसार अब यहां पीएमएल एन गठबंधन की नई सरकार होगी और दो पार्टियां पाकिस्तान पीपल्स पार्टी और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान समर्थन देंगी। अगले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ (72 साल) होंगे। इसके अलावा पार्टी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरियम नवाज (50 साल) को पंजाब के मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किया गया है। पीपीपी का राष्ट्रपति होगा। पार्टी ने साफ किया है कि वो आसिफ अली जरदारी को नया राष्ट्रपति बनाने का प्रस्ताव आगे बढ़ा रहे हैं। पीएमएल एन की की सूचना सचिव मरियम औरंगजेब ने बताया कि पार्टी सुप्रीमो नवाज शरीफ (74 साल) ने शहबाज शरीफ को देश के प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया है। इस संबंध में मरियम औरंगजेब का कहना था कि नवाज शरीफ ने खुद पद ना लेने का फैसला लिया है और शहबाज को नया पीएम और मरियम नवाज का पंजाब के सीएम के तौर पर नाम फाइनल किया है।

सरकार बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा ?कि सरकार में सत्ता बंटवारे की व्यवस्था के लिए हर राजनीतिक दल में कमेटियां बनाई जा रही हैं। नवाज शरीफ ने उन राजनीतिक दलों को धन्यवाद दिया है जिन्होंने पीएमएल-एन को समर्थन देने का ऐलान किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसे फैसलों से पाकिस्तान संकट से बाहर आ जाएगा। यह घटनाक्रम पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी के प्रधानमंत्री पद की दौड़ से हटने के कुछ घंटों बाद आया है। बिलावल का कहना है कि उनकी पार्टी नई सरकार का हिस्सा नहीं बनेगी। हालांकि, वो पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी का समर्थन करेंगे।

यहां गौरतलब है कि पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में 266 सीटें हैं। 265 सीटों के नतीजे जारी हुए हैं। सरकार बनाने के लिए 133 सीटें होना जरूरी है। देश में 8 फरवरी को आम चुनाव हुए थे। सबसे ज्यादा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि आम चुनाव में सबसे ज्यादा 101 सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। इनमें ज्यादातर उम्मीदवार इमरान खान की पार्टी पीटीआई के हैं।

रुस ने किया यूक्रेन पर सबसे घातक मिसाइल से हमला

-यहां जानें हाइपरसोनिक मिसाइल जिरकॉन के बारे में

मास्को (एजेंसी)। यूक्रेन ने दावा किया है कि रुस ने अपनी सबसे घातक हाइपरसोनिक मिसाइल जिरकॉन से उस पर हमला किया है। इस मिसाइल ने 11 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से यूक्रेनी टारगेट पर सटीक निशाना लगाया।

रूस ने अपनी सबसे घातक मिसाइलों में से एक जिरकॉन से यूक्रेन के किसी ठिकाने पर हमला किया। दो साल से चल रही जंग में पहली बार रूस ने अपनी इस हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है। कुछ महीनों पहले रूस ने इस मिसाइल का सफल परीक्षण भी किया था। जिसमें इस मिसाइल को एक जंगी जहाज से दागा जा रहा है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तब कहा था कि ये दुनिया की सबसे खतरनाक क्रूज मिसाइल है।

1 सेकेंड में 3.1 किलोमीटर करती है, कवर

जिरॉकन आवाज की गति से 9 गुना ज्यादा स्पीड में टारगेट की तरफ बढ़ती है। यानी जिरकॉन एक घंटे में 11 हजार किलोमीटर की स्पीड से चलती है। इसकी लंबाई 30 फीट है। व्यास 24 इंच है। अधिकतम रेंज 1500 किलोमीटर है। इसमें परमाणु हथियार लगा सकते है। इसमें स्क्रैमजेट इंजन लगा है।

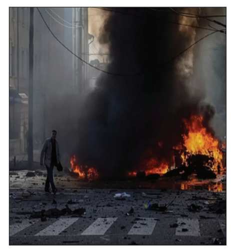

जिरकॉन मिसाइल को वर्तमान मिसाइल डिफेंस टेक्नोलॉजी इंटरसेप्ट नहीं कर सकती। यानी हवा में मारकर गिरा नहीं पाएगी। यह किसी भी रडार के पकड़ में नहीं आएगी। मिसाइल समुद्र के ऊपर कम ऊंचाई में उड़ते हुए दुश्मन और उसके अत्याधुनिक तकनीकों को धोखा देने में सक्षम है।

हाइपरसोनिक मिसाइल अमेरिका, रूस और चीन के पास हैं। कहा जाता है कि उत्तर कोरिया भी ऐसी मिसाइल विकसित करने में लगा है। जो धरती से अंतरिक्ष या धरती से धरती के दूसरे हिस्से में सटीकता से मार कर सकते हैं। वैसे भारत भी ऐसी मिसाइल को विकसित करने में जुटा हुआ है। लेकिन इसके बारे में अभी शुरुआती प्रयास किए जा रहे हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल डे इलेक्शन, राष्ट्रपति समेत इन प्रतिनिधियों का चुनाव

(एजेंसी)। इंडोनेशियाई लोगों ने राष्ट्रपति जोको विडोडो के उत्तराधिकारी की दौड़ से जुड़े चुनाव में बुधवार को दक्षिण पूर्व एशियाई द्वीपसमूह में अपने मत डाले, जिनके प्रभाव से यह तय हो सकता है कि दुनिया के तीसरे सबसे बड़े लोकतंत्र की कमान कौन संभालेगा। दुनिया के सबसे बड़े एक दिवसीय चुनाव में 17,000 द्वीपों पर 20,600 पदों पर लगभग 259,000 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन सभी की निगाहें दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के एक दशक तक प्रभारी रहने के बाद राष्ट्रपति पद और विडोडो के महत्वाकांक्षी एजेंडे पर हैं।

लोकप्रिय विडोडोकी जगह लेने की दौड़ में दो पूर्व गवर्नर, गंजर प्रणोवो और अनीस बसवेदन, विवादास्पद अग्रणी प्रबोवो सुबिआंतो के खिलाफ हैं, जो एक पूर्व विशेष बल कमांडर हैं, जिन्हें 1990 के दशक में इंडोनेशिया के दिवंगत शक्तिशाली शासक के शीर्ष लेफ्टिनेंट के रूप में जाना जाता था। 42 वर्षीय उद्यमी नोवान माराडोना ने मध्य जकार्ता में मतदान के बाद कहा कि मुझे ऐसा उम्मीदवार चाहिए जो पिछले 10 वर्षों से चली आ रही अच्छी नीतियों को कायम रखे। यदि हम शून्य से शुरुआत करते हैं, तो इसमें समय लगेगा। मतदाताओं के पास मतदान करने के लिए छह घंटे का समय होता है। इंडोनेशिया में तीन समय क्षेत्र हैं और पूर्व में मतदान केंद्र पहले ही खुल चुके हैं और पश्चिमी क्षेत्रों में 0600 तरूस्न तक मतदान हो चुका है। जकार्ता में मतदान धीमी गति से शुरू हुआ, बड़े तूफान के कारण राजधानी के कुछ हिस्सों में बाढ़ आ गई।

ग्लेशियर पिघलने से बाहर निकला प्राचीन वायरस, संक्रमण से हुई व्यक्ति की मौत

-छोटे स्तनधानी जीवों में मिली अजीब बीमारी, अब तक सात लोग हुए संक्रमित

एंकरेज (एजेंसी)। ग्लेशियर पिघलने के बाद से बाहर निकला प्राचीन वायरस लोगों की जान ले रहा है। मिली जानकारी के अनुसार यह वायरस अब तक साल लोगों को संक्रमित कर चुका है। जानकारी के अनुसार साल 2015 में अलास्का में एक नए वायरस की खोज हुई। यह फेयरबैंक्स नॉर्थ स्टार बोरो पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने से बाहर निकला था। फरवरी 2024 तक इस वायरस से सिर्फ सात लोग संक्रमित हुए थे। लेकिन अब पहली बार इससे एक इंसान की मौत हुई है। छह मरीज फेयरबैंक्स नॉर्थ स्टार बोरो और सातवां केनाई प्रायद्वीप बोरो में मिले हैं। जिस व्यक्ति की मौत हुई है, उसे इस अलास्कापॉक्स वायरस के संक्रमण का पता जनवरी के आखिरी में चला। यह वायरस एक डबल स्ट्रैंडेड डीएनए वायरस है। यह उसी जीनस से संबंध रखता है, जिससे स्मॉलपॉक्स, मंकीपॉक्स और काऊपॉक्स होते हैं। इसलिए इसका नाम अलास्कापॉक्स रखा गया था।

यह बीमारी छोटे स्तनधारी जीवों में भी खोजी गई है।

शरीर पर लक्षणों की बात करें तो इस वायरस के संक्रमण के बाद त्वचा पर लाल धब्बे दिखते हैं। दाने निकल जाते हैं। सही समय पर इलाज न हो तो ये घाव का रूप ले लेते हैं। इसमें मवाद बनने लगता है। जोड़ों, मांसपेशियों में दर्द होता है। लिंफ नोड्स सूज जाते हैं। सही समय पर इलाज मिलने के बाद भी ठीक होने में छह महीने लगते हैं। इंसानों में यह छोटे स्तनधारी जीवों के जरिए फैलता है लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि किस तरह से इंसान इससे संक्रमित हुए हैं। साल 2021 तक हुए रिसर्च से पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं कि अलास्कापॉक्स वायरस कैसे इंसानों में पहुंचा। एक और मरीज भी इस संक्रमण से जूझ रहा है, लेकिन उसे इलाज की जरूरत नहीं है, क्योंकि उसका इम्यून सिस्टम मजबूत है। लेकिन जिसकी मौत हुई उस इंसान की इम्यूनिटी काफी कमजोर थी।

बताया जा रहा है कि अलास्कापॉक्स से मरने वाला व्यक्ति जंगलों में अकेले रहता था। वह बाहर भी कहीं घूमने नहीं गया। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि यह वायरस उसे उसकी पालतू बिल्ली से मिले होंगे। क्योंकि वह बिल्ली जंगल में छोटे स्तनधारी जीवों का शिकार करती थी। अगर बिल्ली ने उसे खरोंचा होगा तो वह संक्रमित हो गया होगा। जबकि बिल्ली तो वायरस से संक्रमित नहीं है, लेकिन यह वायरस उसके पंजों से फैल सकता है। जिसकी मौत हुई है उसे सितंबर में पहली बार दाहिने हाथ पर लाल सूजन और दाग दिखाई दिया। जनवरी तक कई बार जांच के बाद अलास्कापॉक्स वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है।

नवाज शरीफ ने रातों-रात पलट दी पूरी बाजी, बुरी तरह हारे इमरान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने मंगलवार को पाकिस्तान में एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में अपने अध्यक्ष और तीन बार के पूर्व प्रधान मंत्री नवाज शरीफ के छोटे भाई शहबाज शरीफ को अपने प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया है। नवाज की बेटी मरियम नवाज शरीफ को पंजाब राज्य के लिए पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया है।

छोटे शरीफ को पीएमएल-एन प्रमुख नवाज द्वारा नामित किया गया था, जो 8 फरवरी को हुए देश के आम चुनाव में पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना के पसंदीदा उम्मीदवार थे। नवाज अपने पूरे अभियान में पीएमएल-एन का चेहरा रहे हैं और उन्होंने 9 फरवरी को पार्टी की ओर से एक विजय भाषण भी दिया था। शहबाज़ पहले अप्रैल 2022 से अगस्त 2023 तक प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पार्टी के सूचना सचिव मरियम औरंगजेब द्वारा पीएमएल-एन के उम्मीदवार के रूप में घोषित किया गया था।

पीएमएल-एन की सूचना सचिव मरियम औरंगजेब ने कहा है कि पार्टी सुप्रीमो नवाज शरीफ ने पार्टी अध्यक्ष शहबाज शरीफ को देश के प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया है। उन्होंने कहा कि पीएमएल-एन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरियम नवाज को पंजाब के मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किया गया। पीएमएल-एन सूचना सचिव मरियम औरंगजेब ने कहा है कि पार्टी सुप्रीमो नवाज शरीफ को लगता है कि प्रधानमंत्री के रूप में शहबाज शरीफ और पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में मरियम नवाज को पीछे से मदद करके पीएमएलएन चीफ पार्टी मामलों को देखकर सबसे अच्छा समर्थन दे सकते हैं। जियो न्यूज से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य की किसी भी सरकार में सत्ता-साझाकरण व्यवस्था के बारे में हर राजनीतिक दल में समितियां बनाई जा रही हैं।

जेल में बंद इमरान खान ने 'फर्जीवाड़े' से सरकार बनाने के दुस्साहस के खिलाफ चेतावनी दी

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को 'फर्जीवाड़े' से सरकार बनाने के 'दुस्साहस' के खिलाफ चेतावनी दी। चुनाव में खंडित जनादेश के बाद पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पीएमएल-एन पार्टी सत्ता में आती दिख रही है।

आठ फरवरी के चुनाव में उनकी पार्टी की जीत को विफल करने के विपक्षी दलों के प्रयासों के परोक्ष संदर्भ में, खान ने यह भी कहा, पीटीआई कभी समझौता नहीं करेगी। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने संसद में सबसे अधिक सीट जीतकर सबको आश्चर्यचकित कर दिया है।

चुनाव परिणाम के पांच दिन बाद भी स्थिति स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान की नयी सरकार कैसी होगी। खान ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर जेल से अपने परिवार के माध्यम से पोस्ट किए गए एक संदेश में कहा, 'मैं चुराए गए मतों के साथ सरकार बनाने के दुस्साहस के खिलाफ चेतावनी देता हूं। दिनदहाड़े इस तरह की डकैती न केवल लोगों का अपमान होगी, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को और भी नीचे की ओर धकेल देगी।

संपादकीय

किसान आंदोलन

एमएसपी पर कानून की मांग को लेकर केंद्र और किसान संगठनों के बीच टकराव की स्थिति के मद्देनजर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने उचित ही कहा है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखी जाए और बल का इस्तेमाल आखिरी उपाय के तौर पर ही हो। निस्संदेह, देश के अन्नदाताओं के विरुद्ध बल प्रयोग किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का अभीष्ट नहीं हो सकता, न होना चाहिए, मगर उसके ऊपर यह जिम्मेदारी भी आयद है कि वह ऐसी किसी अराजकता या अव्यवस्था की मूकदर्शक बनी नहीं रह सकती, जो व्यापक नागरिक समाज की जिंदगी को परेशानी में डालती हो। 12 फरवरी की रात केंद्र सरकार व किसान संगठनों के प्रतिनिधियों की बातचीत के विफल रहने के बाद यह अंदेशा था कि 13 को प्रदर्शनकारी किसान दिल्ली में घुसने की कोशिश करेंगे और मंगलवार को शंभू बॉर्डर पर जो परिस्थिति पैदा हुई, उसने इसे सही साबित किया। दिल्ली के सिंधु, टिकरी और गाजीपुर बॉर्डर पर भी सुरक्षा के भारी इंतजाम के कारण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आवागमन पर काफी असर पड़ा है। सर्विस लेन के बंद होने से इन क्षेत्रों में जाम की स्थिति बन गई है और लोगों को काफी दूर-दूर तक पैदल चलना पड़ रहा है। साल 2020 में जब तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध पहली बार किसान दिल्ली के बॉर्डर पर धरना देने बैठ गए थे, तब भी स्थानीय लोगों को काफी परेशानी हुई थी, मगर उस अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण धरने को आम लोगों की सहानुभूति हासिल थी, क्योंकि देश का एक बड़ा जन-समुदाय खेती-किसानी से जुड़ा है, या जो लोग कृषि कर्म से अलग होकर शहरों-महानगरों में आ बसे हैं, उनकी पुरानी पीढ़ियों में अब भी इस वर्ग के प्रति गहरी हमदर्दी कायम है। मगर 26 जनवरी, 2021 को लाल किले में जैसी अशोभनीय घटना घटी, उसने उस आंदोलन के प्रति आम लोगों का नजरिया बदल दिया था। हालांकि, किसानों और नागरिक भावनाओं का सम्मान करते हुए बाद में सरकार ने उन तीनों कानूनों को वापस ले लिया था और तब केंद्र व किसानों के बीच विश्वास बहाली का आधार बना था। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि जब-जब चुनाव करीब आते हैं, तब सरकार से सहूलियत चाहने वाले वर्ग और कर्मचारी संगठन आंदोलनों का सहारा लेते हैं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है, यदि वे संविधान प्रदत्त अधिकारों के साथ-साथ अपने नागरिक कर्तव्यों का भी निबाह कर रहे हों, मगर सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने और विधि-व्यवस्था को बाधित करने की किसी भी कार्रवाई की कतई हिमायत नहीं की जा सकती। प्रदर्शनकारी किसानों को नहीं भूलना चाहिए कि आम नागरिकों को परेशानी में डालकर वे न तो अपने आंदोलन को नैतिक धार दे सकते हैं और न ही इसके लिए व्यापक समर्थन जुटा सकते हैं। निस्संदेह, सरकार के आगे गंभीर चुनौती है। इस चुनावी समय में वह विशाल किसान समुदाय को नाराज करने का जोखिम नहीं उठा सकती, तब तो और, जब उसकी मुख्य प्रतिपक्षी पार्टी कांग्रेस ने अपनी सरकार बनने की सूरत में स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, एमएसपी कानून की गारंटी देने का दांव चल दिया है। मुश्किल यह है कि सरकार के पास बहुत वक्त भी नहीं है। उसे प्रतीकों की सियासत से बढ़कर किसानों को आश्वस्त करना ही होगा, क्योंकि अभी पश्चिमी उत्तर प्रदेश शांत है, अगर वहां के किसानों ने कूच किया, तो इस आंदोलन को शांत करना और दुरूह हो जाएगा।

आज का राशीफल

मेष — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ — पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क — पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह — रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला — आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक — पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ — गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन — पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

जिंदादिल और आत्मनिर्भर बुजुर्गों की हंसी

आखिर डाक्टर के पास आप किसी बीमारी को लेकर ही आते हैं, जिसके कारण चिंता होना स्वाभाविक है, लेकिन चिंता की जगह उनके चेहरे पर खुशी और हंसी दिखाई देती थी। शायद उसका कारण यह होगा कि वे सोचते हैं कि अगर कोई बीमारी है तो उसका इलाज भी है। और इलाज डाक्टर ही कर सकता है। बीमारी से डरने के मुकाबले उसका इलाज कराएं। फिर यहां उनके इलाज, उनके जीवन की जिम्मेदारी सरकार की होती है। सरकार अपने नागरिकों की सुख-सुविधा का पूरा ध्यान रखती है। इसके अलावा यह सोच भी है कि जीवन एक बार ही मिलता है। उसे ठीक तरह से जिया जाए। यहां चिकित्सा सुविधाएं भी बहुत अच्छी हैं।

क्षमा शर्मा

पिछले कुछ समय से स्विट्ज़रलैंड के शहर जिनेवा में हूं। बीमार पड़ी तो डाक्टर के पास जाना पड़ा। यहां भारत की तरह नहीं है कि जब चाहें डाक्टर से समय मिल जाए, बहुत समय लगता है अप्वाइंटमेंट मिलने में, लेकिन मैं किस्मत वाली थी। अगली दोपहर डाक्टर के पास बैठी थी। एक चीज जो बार-बार चकित होकर देख रही थी कि डाक्टर से मिलने बेहद बूढ़े स्त्री-पुरुष आ रहे थे। वे अकेले थे। उनके साथ कोई नहीं था। लेकिन इस बात की कोई चिंता दिखाई नहीं देती थी। उनकी चाल में बेहद मस्ती थी। वे झुककर भी नहीं चल रहे थे। वे सीधे चलते आते थे। और उनमें से कई तो निश्चय ही नब्बे साल या उससे ऊपर रहे होंगे। वे बैठते थे। फिर पास बैठे व्यक्ति से बातचीत में तल्लीन हो जाते थे। आपस में बातचीत करके बात-बात पर खिलखिला रहे थे। वे डाक्टर के पास से भी खुश-खुश निकल रहे थे। समझ में नहीं आ रहा था कि वे इतने खुश क्यों थे।

आखिर डाक्टर के पास आप किसी बीमारी को लेकर ही आते हैं, जिसके कारण चिंता होना स्वाभाविक है, लेकिन चिंता की जगह उनके चेहरे पर खुशी और हंसी दिखाई देती थी। शायद उसका कारण यह होगा कि वे सोचते हैं कि अगर कोई बीमारी है तो उसका इलाज भी है। और इलाज डाक्टर ही कर सकता है। बीमारी से डरने के मुकाबले उसका इलाज कराएं। फिर यहां उनके इलाज, उनके जीवन की जिम्मेदारी सरकार की होती है। सरकार अपने नागरिकों की सुख-सुविधा का पूरा ध्यान रखती है। इसके अलावा यह सोच भी है कि जीवन एक बार ही मिलता है। उसे ठीक तरह से जिया जाए। यहां चिकित्सा सुविधाएं भी बहुत अच्छी हैं। हर एक आदमी का चिकित्सा बीमा होना अनिवार्य है।

इनके मुकाबले अपने देश पर नजर डालें। बीमार पड़ने पर हम अक्सर डाक्टरों के पास जाने से बचते हैं। बीमारी का इलाज कराने के मुकाबले हम सोचते हैं कि कैसे भी यह अपने आप ठीक हो जाए। पचास साल की उम्र में ही जैसे हम खुद को बूढ़ा मान लेते हैं और सोचते हैं कि अब गए कि तब गए। कुछ अधिक उम्र होने से डाक्टर के पास जाने के लिए किसी सहारे की जरूरत तलाशते हैं। इसीलिए आप पाएंगे कि अस्पतालों में मरीजों से ज्यादा उनकी देखभाल करने वालों की भीड़ होती है। अस्पतालों में भी सारी भागदौड़ का काम अटेंडेंट के जिम्मे होता है। दस बार बुलाने जाएं तो नर्स आ पाती है। जिस अनुपात में मरीज हैं, उस अनुपात में चिकित्सा सुविधाएं बहुत कम हैं। किसी का इस ओर ध्यान भी नहीं जाता। बहुत से अस्पतालों में गंदगी भी बेशुमार है। कई बार गलत इलाज की खबरें भी आती हैं। बहुत से लोग इलाज कराने इसलिए भी नहीं जा पाते कि उनके पास पर्याप्त साधन नहीं होते, जागरूकता भी नहीं होती। सरकारी अस्पतालों के अलावा प्राइवेट अस्पतालों का इलाज इतना महंगा है कि हो नहीं पाता। लोग बिल भरने की आर्थिक स्थिति में नहीं होते। इसका एक बड़ा कारण अपने देश की आबादी भी है। जिस पर वोटों की खातिर कोई सरकार नियंत्रण भी नहीं करना चाहती। इसीलिए संसाधन अगर उपलब्ध भी कराए जाएं तो वे लोगों तक ठीक से पहुंचते नहीं हैं। संयुक्त परिवारों के बिखरने से हमारे यहां के बुजुर्गों की हालत दयनीय है। उनमें से बहुतों के पास भरण-पोषण के साधन नहीं हैं। परिवार होते हुए भी परिवार को उनकी परवाह नहीं है, तो वे इलाज कैसे कराएं। साधन कहां से जुटाए जाएं। एक अनुमान के अनुसार अपने यहां दस करोड़ बुजुर्ग बताए जाते हैं। इनके वोट तो सभी को चाहिए लेकिन इनकी दुरावस्था को ठीक करने की कोई योजना नहीं बनाई जाती।

यहां के बुजुर्गों को देखती हूं और अपने यहां के बुजुर्गों के बारे में सोचती हूं, तो मन खिन्नता से भर उठता है। यहां के बुजुर्ग बेशक अकेले हैं मगर सरकार उनके साथ है। वे स्वाभिमान का जीवन जी सकते हैं। सही इलाज पा सकते हैं। वे अस्सी-नब्बे साल की उम्र में भी मॉल्स में ट्राली लेकर अपना सामान खरीदते नजर आते हैं। सड़कों पर दौड़ते दिखते हैं। कई जगह तो खेलते भी दिखाई देते हैं। इसमें बुजुर्ग महिलाएं भी पीछे नहीं रहतीं। हाल ही में एक परिचित ने बताया कि नब्बे साल की एक महिला ने ड्राइविंग लाइसेंस का टेस्ट पास किया है। वे तमाम आयोजनों में युवाओं की तरह ही बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

दरअसल, उनके पास अपने देश वाला अनेक जन्मों का विचार नहीं है, इसलिए वे जीवन को भरपूर जीते हैं। जबकि हम जीवन को इसी भरोसे छोड़े रहते हैं कि इस जीवन में कुछ अच्छा नहीं है, तो अगले जीवन में होगा और इस जीवन में जो दु:ख तकलीफें मिल रही हैं, वे पिछले जन्मों के पापों का परिणाम हैं। और भगवान की मर्जी के कारण ऐसा हो रहा है। शायद यही वजह कि जिनके पास सारे साधन मौजूद हैं, वे भी डाक्टरों के पास समय से नहीं जाना चाहते। वे डाक्टर से उम्मीद करते हैं कि वह उनके मन की बात करे। यानी कि कभी किसी बीमारी के होने की बात न बताए। जबकि डाक्टर का काम ही बीमारी को खोजना और उसका निदान करना है। अगर बीमारी खोजी ही नहीं जाएगी तो उसका इलाज कैसे होगा। कई लोगों को यह कहते सुना है कि डाक्टर के पास जाएंगे तो न जाने क्या निकाल दे। अरे, भाई निकलेगा, तो वही जो आपके शरीर में होगा। डाक्टर कोई अपने पास से तो कुछ नहीं निकाल देगा। अक्सर डाक्टर के पास हम तब जाते हैं, जब मर्ज बिगड़ चुका होता है। बेहतर है कि पहले ही चले जाएं जिससे न खुद तकलीफ पाएं और न दूसरों को दें। स्विट्ज़रलैंड के लोगों के बारे में बताया जाता है कि वे और कोई भी अप्वाइंटमेंट मिस कर सकते हैं मगर डाक्टर का अप्वाइंटमेंट कभी नहीं छोड़ते। इसका कारण यह है कि एक तो डाक्टर से टाइम देर से मिल पाता है, दूसरे वे हर हाल में स्वस्थ रहना चाहते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि उनका जीवन खुद उनके ही भरोसे है। बीमारी के कारण मुझे पांच दिन के लिए अस्पताल में भी भर्ती होना पड़ा। वहां मेरे कमरे में एक बुजुर्ग महिला थीं। जिनके पांव में बहुत चोट लगी थी। दूसरी बीमारियां भी थीं मगर जो भी नर्स या अस्पताल का कोई भी कर्मचारी उनके पास आता वह सबके साथ मिलकर खूब खिलखिलाती थीं, जैसे कुछ हुआ ही न हो। उनकी उम्र भी नब्बे के आसपास रही होगी। वह अपने घर जल्दी से जल्दी जाना चाहती थीं क्योंकि उन्हें अपनी बिल्ली की याद आ रही थी। अपनी बिल्ली का फोटो भी उन्होंने लगाया हुआ था। वह पूरे समय हंसती थीं और मैं उनकी हंसी को सुन चकित होती थी। जबकि इतने दिनों में शायद ही उनका कोई नाते-रिश्तेदार मिलने आया होगा।

काश! हम भी ये सीख पाते।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

डबल इंजन की सरकार : यहां भी है वहाँ भी

(लेखिका - निर्मल रानी)

विगत दस वर्षों से भारतीय राजनीति में कई नवगढ़ित शब्दों ने राजनैतिक शब्दावली में अपनी जगह बनाई है। ऐसा ही एक शब्द है डबल इंजन की सरकार । यानी जिस दल की केंद्र में सरकार उसी दल की सरकार का राज्य में भी होना। और यदि डबल इंजन की सरकार बन भी जाये तो भी सत्ताधीशों की हवस यहीं ख़त्म नहीं होती। बल्कि फिर यह ट्रिपल इंजन की सरकार की बात भी करने लग जाते हैं। यानी इनकी इच्छानुसार स्थानीय निकाय से लेकर दिल्ली की संसद तक हर जगह एक ही दल का परचम लहराये। हालांकि स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान जहाँ एक मज़बूत सरकार होती है वहीँ मज़बूत विपक्ष भी उस मज़बूत सरकार को नियंत्रित रखने के लिये ज़रूरी समझा जाता है। परन्तु 2014 में नरेंद्र मोदी के केंद्रीय सत्ता में आने के बाद विपक्ष विहीन लोकतंत्र स्थापित करने की कोशिश की जा रही है और राज्यों में यह माहौल पैदा किया जा रहा है कि केवल डबल इंजन की सरकार ही किसी राज्य को तरक़्क़ी के रास्ते पर ले जा सकती है। दुर्भाग्यवश ऐसी भी कई मिसालें हैं जहाँ भाजपा चुनाव परिणामों में तो कई राज्यों में सत्ता में नहीं आ सकी परन्तु उसने ख़रीद-फ़रोख़्त कर या डरा धमका कर या फिर लोभ लालच देकर यानी येन केन प्रकारेण डबल इंजन की अपनी सरकार बना डाली।

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के झाबुआ के गोपालपुरा में जनजातीय समुदाय के सम्मेलन को संबोधित करते हुये अनेक विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया व अनेक योजनाओं का शिलान्यास भी किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने जहां सरकार की अनेक योजनाओं का ज़िक्र किया वहीं उन्होंने बड़े गर्व के साथ यह भी बताया कि -मध्यप्रदेश देश के सामने सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है कि डबल इंजन की सरकार कैसे काम करती है। यहां एक अहम सवाल यह उठता है कि नरेंद्र मोदी स्वयं जब 2001 से लेकर प्रधानमंत्री बनने से पहले यानी 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री थे उस दौरान उनके शुरुआती मुख्यमंत्रित्व काल में ही यानी 2004 तक ही केंद्र में अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व वाली एन डी ए सरकार सत्ता में थी। यह वही वाजपेई काल था जब 2002 के गुजरात नरसंहार के बाद वाजपेई ने मोदी को राजधर्म निभाने का उपदेश दिया था और गुजरात की बेलगाम हिंसा से आहत होकर कहा था कि मैं दुनिया को क्या मुंह दिखाऊंगा ? जबकि उसके बाद 2014 तक यानी दस वर्षों तक तो केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यू पी ए सरकार सत्ता में थी। परन्तु नरेंद्र मोदी ने इसी दौरान गुजरात में वाइब्रेंट गुजरात और इन्वेस्टर्स मीट आयोजित किये तथा उद्योग व पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने का प्रयास किया। यहाँ तक कि गुजरात के उसी कथित विकास मॉडल को लेकर 2013 में चुनाव प्रचार के दौरान यह भी कहते सुने गये कि केंद्र में सत्ता में आने के बाद पूरे देश में गुजरात मॉडल लागू करेंगे।

गोया नरेंद्र मोदी के अनुसार गुजरात ने उनके कार्यकाल में ही विकास की अभूतपूर्व इबारत लिखी। सवाल यह कि जब राज्य में उस समय डबल इंजन की सरकार नहीं थी तो गुजरात का विकास बिना केंद्र सरकार के सहयोग के कैसे संभव हुआ ? दिल्ली व पंजाब सहित उड़ीसा,दक्षिण भारत व पूर्वोत्तर के कई राज्य इस समय भी ग़ैर भाजपाई सरकारें चला रहे हैं। क्या वहां विकास नहीं हो पा रहा ? और इस बात की भी क्या गारंटी है कि डबल इंजन की सरकार ही विकास कर सकती है ? यदि वे मध्य प्रदेश की सरकार को देश के सामने सर्वश्रेष्ठ उदाहरण बताते हुये यह कहते हैं कि डबल इंजन की सरकार ही विकास का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण बन सकती है तो उन्हें मणिपुर का भी उदाहरण ज़रूर देना चाहिये जहाँ डबल इंजन की भाजपा सरकार के रहते हुए ही वह सब कुछ हुआ जो स्वतंत्र भारत के इतिहास में अब तक किसी भी राज्य में नहीं हुआ। शायद छोटा व दूरस्थ पहाड़ी राज्य होने के नाते मणिपुर की हिंसा पर न ही प्रधानमंत्री ने कोई बयान दिया न ही राज्य के मुख्यमंत्री ने त्यागपत्र दिया ? वहां तो राज्य के भाजपाई मंत्रियों विधायकों संसद व अन्य भाजपा नेताओं के घरों तक को आग लगा दी गयी ? उस समय डबल इंजन की सरकार ने मूकदर्शक बने रहने के सिवा और कौन सा तीर मार दिया ?

इसी तरह उत्तरांचल में डबल इंजन की सरकार बनी है। वहां की हल्द्वानी की घटना सबके सामने है। हरियाणा में डबल इंजन की सरकार है, यहां भी मेवात के नूह क्षेत्र में कुछ माह पूर्व हुई भयंकर हिंसा और उसके बाद हुई इकतरफ़ा कार्रवाई व बुलडोज़र आतंक पूरे देश ने देखा। राजस्थान में कुछ दिनों पूर्व ही डबल इंजन की सरकार बनी है। वहां भी हिजाब से लेकर खाद्य सामग्री तक पर चर्चा शुरू हो गयी। उत्तर पदेश के मुख्य मंत्री को तो बुलडोज़र बाबा की उपाधि ही मिल चुकी। असम की डबल इंजन सरकार साम्प्रदायिकता को कैसे बढ़ावा दे रही है,सभी देख रहे हैं। गोया डबल इंजन की सरकार के रहते विकास हो या न हो परन्तु भाजपा का गुप्त साम्प्रदायिक एजेंडा ज़रूर लागू होने लगता है। कांग्रेस ने तो कभी भी इसतरह का ग़ैर लोकतान्त्रिक राजनैतिक विमर्श नहीं छेड़ा कि राज्य के विकास के लिये डबल इंजन की सरकार होनी ही ज़रूरी है ? परन्तु भाजपा के वरिष्ठतम नेताओं द्वारा प्रत्येक राज्यों के चुनाव के समय डबल इंजन की सरकार का राग अलापने का तो यही अर्थ है कि इन्हें क्षेत्रीय राजनीति,क्षेत्रीय राजनैतिक दलों व क्षेत्रीय हितों की फ़िक्र नहीं बल्कि अपने समग्र अघोषित एजेंडे को लागू करने के लिये ही डबल इंजन की सरकार का राग आलापने की ज़रूरत महसूस होती है। अन्यथा यदि केवल डबल इंजन की सरकार ही विकास की ज़मानत होती तो न गुजरात तरक़्क़ी करता न महाराष्ट्र न पंजाब व हरियाणा जैसे राज्य। लिहाज़ा बेहतर होता यदि प्रधानमंत्री केवल मध्य प्रदेश को ही डबल इंजन की सरकार के काम करने का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण न बताते बल्कि साथ ही डबल इंजन की सरकार की घोर विफलता के रूप में मणिपुर का भी नाम ज़रूर लेते क्योंकि डबल इंजन की सरकार तो यहां भी है वहाँ भी ?

विचार मंथन

नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में पढ़ाई को मंजूरी

(लेखक- सनत जैन)

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा दसवीं कक्षा के पाठ्यक्रम में 3 भाषाओं के अध्ययन को अनिवार्य किया गया है। इसमें दो भारतीय भाषाओं और एक विदेशी भाषा का समावेश किया गया है। केंद्रीय शिक्षा मंडल का मानना है, मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने से छात्रों में उसकी जल्दी समझ पैदा होती है। मातृ भाषा के माध्यम से ज्ञान को आसानी से छात्रों द्वारा आत्मसात किया जाता है। गणित और विज्ञान जैसे विषय की मातृभाषा में पढ़ाई होती है, तो छात्र उसे आसानी से ग्राह कर लेते हैं। छात्रों को वह याद भी रहती है। मातृभाषा से,पढ़ाई मे आश्चर्यजनक परिणाम देखने को मिलें हैं। सारी दुनिया के शिक्षाविदों ने रिसर्च के बाद इसे स्वीकार किया है।

कक्षा 10 के पाठ्यक्रम में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा दो भारतीय भाषाओं की अनिवार्यता को शामिल किया गया है। भारत में अंग्रेजी माध्यम से संचालित होने वाले स्कूलों में कक्षा नौवीं से लेकर 12वीं तक की पढ़ाई में अंग्रेजी भाषा की अनिवार्य होती है। संपूर्ण भारत में अंग्रेजी भाषा के स्कूल मे मातृभाषा में पढ़ाई नहीं होती है। अंग्रेजी भाषा को विशेष महत्व दिया जाता है। छात्रों को विदेश जाने और अच्छी पढ़ाई करने के नाम पर शिक्षण संस्थाएं अंग्रेजी में शिक्षा देने का काम करती हैं। नई शिक्षा नीति में अंग्रेजी भाषा में ज्ञान तो मिलेगा, इसके साथ ही वह लिंक भाषा के रूप में हिंदी एवं प्रादेशिक भाषा में भी पढ़ाई को अनिवार्य किया गया है। भारतीय भाषाएं जो संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल है। उसमें से कोई भी एक भाषा को छात्रा चुन सकता है। उत्तर भारत के राज्यों में और दक्षिण भारत के राज्यों में, हिंदी, मराठी, गुजराती, तमिल, तेलुगू, मलयालम, बांग्ला गुरूमुखी में भी पढ़ाई की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस नीति के कारण अब भारत मे प्रांतीय भाषाओं में पढ़ाई की अनिवार्यता से प्रोत्साहन मिलेगा। पिछले तीन दशक में उत्तर भारत, दक्षिण भारत, पूर्वोत्तर राज्यों और पश्चिमी राज्यों के प्रांत में विभिन्न भाषा बोलने वाले परिवार, हर प्रदेश में नौकरी और व्यापार के लिए जाकर बस जाते हैं। नई शिक्षा नीति में अब मातृभाषा में पढ़ने और परीक्षा देकर आगे बढ़ने का अवसर नई शिक्षा नीति मे सभी को मिलेगा। नई शिक्षा नीति में प्राथमिक कक्षाओं में अनिवार्य रूप से मातृ भाषा मैं पढ़ाई और लिंक भाषा के रूप में हिंदी और अंग्रेजी मे पढ़ाई करने का अवसर अब सभी भाषा के छात्र-छात्राओं को मिलेगा।

नई शिक्षा नीति में त्रिस्तरीय भाषा के फार्मूले का लाभ हाईस्कूल की परीक्षा में अनिवार्य कर दिये जाने के कारण छात्रों का औसत ज्ञान पूर्व की तुलना में बेहतर होगा। अनुवाद हिन्दी एवं प्रांतीय भाषा में सर्वोच्च प्राथमिक्ता से किया जा रहा है। केन्द्र सरकार और युजीसी ने हिन्दी एवं प्रांतीय भाषाओं में पाठ्यक्रम तैयार किये जा रहे है। अन्तरराष्ट्रीय शोध में जो निष्कर्ष सामने आया है। उसके अनुसार मातृ भाषा में पढ़ाई को सर्वोत्तम माना गया है। भारत जैसे देश में हिन्दी एवं अंग्रेजी का ज्ञान आवश्यक है। 3 भाषाओं की मान्यता युजीसी तथा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा स्वीकार कर ली गई है। ऐसी स्थिति में शिक्षा का स्तर बेहतर होगा। यह आशा की जा सकती है।

एक बार न्यूजीलैंड भी घूम आइए...

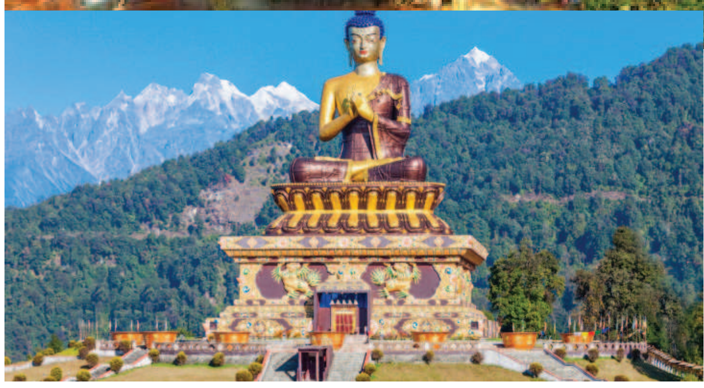

अगर आप सर्दी और क्रिसमस के दौरान विदेश यात्रा का प्लान बना रहे हैं, तो एक बार न्यूजीलैंड भी घूम आइए...। सर्दी और क्रिसमस की छुट्टियां निकट हैं। छुट्टियों के दौरान अक्सर लोग पर्वतीय, बर्फीले या समुद्री इलाकों में घूमना पसंद करते हैं, तो कुछ परंपरागत लोगों को वाइल्ड लाइफ और कुदरती खूबसूरती से भरे क्षेत्रों में फुर्सत के पलों को बिताना अच्छा लगता है। ऐसे में अगर विदेश में घूमने की प्लानिंग है, तो न्यूजीलैंड परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां बर्फीली चोटियां, झरने, द्वीप, अंगूर के बगीचे, लाल लकड़ियों वाले घने जंगल और दूर तक फैली समुद्र तट सब कुछ हैं।

यहां के नजारे आपको किसी स्वप्न लोक का एहसास कराएंगे। आइए, यहां के कुछ खुशनुमा पर्यटन स्थलों से आपको रूबरू कराते हैं... रोटोरुआ न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप स्थित रोटोरुआ अपनी कुदरती खूबसूरती की वजह से एक रहस्यमयी धरती है और आठवें अजूबे के रूप में दुनियाभर में लोकप्रिय है। इस स्थल को वर्ल्ड हेरिटेज का दर्जा भी हासिल है। यहां जमीन के अंदर से हर समय निकलते गर्म पानी के बुलबुलों को काफी उत्सुकता से लोग देखते हैं।

जमीन के गर्म पानी में वार्मबाथ लेने के लिए सैलानियों में यह क्षेत्र खूब लोकप्रिय है। इस जगह के कई और भी आकर्षण हैं। अगर आप यहां आएं, तो फ्लोटप्लेन और जेट बोटिंग का आनंद जरूर उठाएं। कंक्रीट के बने रनवे की बजाय पानी के ऊपर से ही ये प्लेन उड़ान भरते हैं। फिर सैलानियों को रोटोरुआ की हवाई सैर कराते हैं। ऊपर से शहर का प्राकृतिक नजारा देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। एडवेंचर के शौकीनों को भी यहां करने के लिए बहुत कुछ है, इनमें माउंटेन बाइकिंग, स्काई डाइविंग सैलानियों को खूब पसंद आती है।

अनुपम हैं प्राकृतिक नजारें-- नेपियर न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन से 320 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस शहर को माओरी भाषा में अहुरिरी कहा जाता है। यहां का हॉक्स बे इलाका पहाड़, समुद्रतट, बंदरगाह और हवाई अड्डे के कारण पर्यटन का मुख्य केंद्र है। लोग यहां दशकों पुरानी आर्ट डेको वास्तुकला को भी निहारने आते हैं। यहां का मियामी बीच काफी चर्चित है। खाने के शौकीन लोग अक्सर यहां खिंचे चले आते हैं, क्योंकि वाइन और फूड के लिए नेपियर काफी मशहूर है।

ऑकलैंड समुद्र तटों का आनंद उठाने के लिए ऑकलैंड बेहतरीन जगह है। यहां का सबसे बड़ा आकर्षण पानी के भीतर का सैर है। सैलानी इस यादगार लम्हे का लुत्फ उठाने से नहीं चूकते। चाहें तो यहां के नाइंटी माइल बीच पर गोताखोरी के साथ-साथ डॉलफिन मछलियों के साथ तैराकी का मजा भी ले सकते हैं। समुद्रतटों पर बने रिसॉर्ट में ठहरने का भी अपना एहसास है। यहां की रंगारंग पार्टियां, कसीनो, हॉट एयर बैलूनिंग, घुड़सवारी, बच्चों का एडवेंचर पार्क, क्लॉक म्यूजियम, काऊ वर्ल्ड पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। ऑकलैंड खरीदारी के लिए भी अच्छी जगह है। यहां कई फेमस रेस्टोरेंट और दुकानें हैं।

प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए बेस्ट हैं राजस्थान की ये जगहें, जिंदगी भर नहीं भूलेंगे आप

हम सभी यादों को कैद करने के लिए तस्वीरें लेते हैं। वहीं शादी के पलों को खासकर अपनी यादों में संजोना चाहते हैं। जैसे शादी से पहले प्री-वेडिंग फोटोशूट, पोस्ट वेडिंग शूट, मैटरनिटी शूट करवाते हैं। जिससे कि इन तस्वीरों को हम जब भी देखें, तो इन खूबसूरत पलों को यादकर मुस्कुरा सकें। इस सब के बीच आजकल के कपल्स प्री वेडिंग फोटोशूट करवाना पसंद करते हैं।

ऐसे में अगर आपकी भी शादी होने वाली है और आप भी प्री वेडिंग शूट के लिए खूबसूरत जगहों की तलाश कर रहे हैं। तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको राजस्थान की कुछ बेहद खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। राजस्थान में आपको कई ऐसी लोकेशन मिलेंगी। जो आपको रॉयल फील देने का काम करेंगे। तो आइए जानते हैं उन जगहों के बारें में जहां पर आप प्री वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

मंडावा- अपनी खूबसूरत नक्काशी और कृतियों वाली हवेलियों के लिए जाना जाने वाला मंडावा रिच कल्चरल हेरिटेज डेस्टिनेशन है। ऐसे में आप यहां पर फोटोशूट करवा सकते हैं। शादी के सीजन में कई कपल्स यहां पर फोटोशूट करवाते हैं।

बूंदी - राजस्थान का बूंदी शहर अपने भव्य महलों के लिए पूरी दुनिया में फेमस हैं। यह हवेलियां और महल आपकी प्री-वेडिंग शूट को रॉयल लुक देने का काम करेगा। आप यहां पर तारागढ़ किला, रानी जी की बावड़ी आदि में अपना शूट करवा सकते हैं।

शेखावाटी एरिया- आपको बता दें कि शेखावाटी एक ओपन एयर आर्ट गैलरी है। यहां की हवेलियों में खूबसूरत पेंटिंग हो रखी है। प्री-वेडिंग शूट के लिए यह लोकेशन सबसे बेस्ट है। शेकावाटी एरिया का खूबसूरत लोकेशन आपके प्री-वेडिंग शूट में चार चांद लगाने का काम करेगा।

रणकपुर- रणकपुर 15वीं शताब्दी के जैन मंदिरों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। रणकपुर में कई ऐसी जगहे हैं, जहां पर आप प्री-वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

भरतपुर- राजस्थान का भरतपुर अपने नेचर और वाइल्डलाइफ के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर आप भी प्री-वेडिंग शूट में वाइल्डलाइफ और नेचर का टच देना चाहते हैं, तो यह जगह परफेक्ट है। इसके अलावा भरतपुर में आप लोहागढ़ किले में भी शूट करवा सकते हैं।

खिमसर- दरअसल, यह गांवनुमा एक रिज़ॉर्ट है। यह जगह खिमसर किले और थार डेजर्ट के लिए जानी जाती है। यह जगह अपनी खूबसूरती के लिए काफी फेमस है। ऐसे में यहां पर प्री वेडिंग शूट करवाना एक यूनिक आइडिया हो सकता है।

कुंभलगढ़- कुम्भलगढ़ दुर्ग राजस्थान के राजसमन्द ज़िले में स्थित एक दुर्ग है। हांलाकि इस जगह को लोगों द्वारा काफी कम एक्सप्लोर किया गया है। ऐसे में यहां पर आपको प्राकृतिक सुंदरता और अनोखी हरियाली देखने को मिलेगी। वहीं प्री-वेडिंग शूट के लिए यह भी एक अच्छा ऑप्शन है।

भैंसरोड़गढ़- कई कपल्स प्री वेडिंग शूट के लिए थोड़ा यूनिक जगह की तलाश कर रहे हैं, तो भैंसरोड़गढ़ आपको निराश नहीं करेगा। भैंसरोड़गढ़ में नेचर और चंबल नदी का किनारा आपके शूट को खूबसूरत बनाने का काम करेगा।

सफर के दौरान इन चीजों का सेवन हो सकता है हानिकारक

लंबी छुट्टियों के दौरान हर कोई पूरे परिवार के साथ कहीं न कहीं घूमने जाने का प्लान बनाता है। गर्मियों की छुट्टी हो या वेकेशन हिल स्टेशन जाने का अपना ही मजा होता है। कई लोग सफर के दौरान गाने सुनते हैं तो कोई किताब पढते हैं तो कोई आराम करते हैं। सफर के समय भूख लगना एक बहुत ही ज़ाहिर सी बात हैं। हम घर से काफी सारी चीजें लेकर जाते हैं सफर के लिए लेकिन सफर में हम और चीजें भी खरीद लेते हैं। जिससे कई लोगों को सफर के दौरान उल्टी, जी मचलने की, सर घूमने की शिकायत रहती है और ऐसा होने पर सफर का मजा फीका पड़ जाता है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि सफर में कि चिजों का सेवन हानिकार साबित हो सकता है।

तला हुआ खाना - ध्यान रहे कि सफर में कभी भी आप तले हुए खाने का सेवन ना करें ऐसा करने से आपकी सेहत को नुकसान पहुंच सकता हैं। ट्रेन से यात्रा के दौरान कई बार स्टेशन पर समोसे, कटलेट जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें देखकर मन ललचाने लगता है और हम भूख न लगने पर भी इनका सेवन कर लेते हैं। बाहर खुले में बिकने वाली इन चीजों को यात्रा के दौरान खाने की गलती न करें।

नॉन वेज - अगर आप सफर के दौरान नॉन वेज खाते हैं तो वह आपके पेट के लिए सहीं नहीं हैं क्योंकि नॉन वेज काफी हेवी होता हैं और उसे पचने मे काफी समय लगता हैं और सफर में हम सिर्फ बैठे रहते हैं और हम ज्यादा हिल डुल नहीं सकते हैं जिससे नॉन वेज पच नहीं पाता हैं। इसलिए ध्यान रहें कि आप सफर के समय में हल्की चीजों का सेवन करें।

दूध अंडा - दूध और अंडा भी काफी भारी होते हैं हमारे पेट के लिए और इन्हें पचने में काफी समय लगता हैं तो अगली बार जब भी आप सफर करें तो ध्यान रहें कि आप दूध और अंडे का सेवन ना करें ताकी आपकी सेहत को कोई नुकसान ना हों और आपका सफर अच्छे से बीते।

केले के चिप्स - सफर के दौरान आप सूखे केले के चीप्स खा सकते हैं। ये आपको बाजार में आसानी से मिल जाएंगे। इसके अलावा एक मुट्ठी बादाम, भूने हुए चने, पिस्ता, सूखे कॉर्नफ्लैक्स और मूंगफली को हल्का सा सरसों के तेल या ऑलिव ऑयल में फ्राई करके पैक करके रख लें। इनके अलावा आप सेब और केले का सेवन भी कर सकते हैं।

नवविवाहित जोड़ों के लिए ये हैं 5 सबसे रोमांटिक डेस्टिनेशंस

अपने पार्टनर के साथ कुछ पल अकेले गुजारना चाहते हैं तो ट्रैवलिंग से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। खासकर न्यूली वेड्स के लिए तो ऐसा करना बेहद यादगार हो सकता है। यहां है कुछ खास रोमांटिक डेस्टिनेशंस की लिस्ट, जहां आप अपने स्पाउस के साथ जाने की तैयारी कर सकते हैं।

पॉन्डिचेरी- 1499 में वास्को डी गामा ने इसे डिस्कवर किया था। पॉन्डिचेरी या पुडुचेरी दुनिया की सबसे ज्यादा रोमांटिक डेस्टिनेशंस में से एक है। यहां के फ्रेंच कोलोनियल बिल्डिंग्स और खूबसूरत चर्च देखने लायक हैं। होटल कोरामंडल हेरिटेज में आप एक आरामदायक स्टे कर सकते हैं। इसके अलावा प्रोमेनेड और ले रॉयल पार्क भी अच्छे होटल साबित होंगे। स्वाद का आनंद उठाना चाहते हैं तो कैफे जटासी, सत्संगा, बेकर स्ट्रीट बेस्ट हैं। पॉन्डिचेरी जाएं तो प्रोमेनेड बीच, पैरेडाइज बीच, ऑरोविल बीच, सेरेनिटी बीच बिलकुल भी मिस नहीं करें।

वेनिस- इटली का वेनिस भी दुनिया की बेहद रोमांटिक जगह में शामिल है। यहां के खूबसूरत कैनाल इस जगह के चार्म और मूड में चार चांद लगा देते हैं। ग्रिटी पैलेस, कार्निवल पैलेस और मोरेस्को जैसे होटल, वेनिस में रहने के लिए सबसे अच्छे माने जाते हैं। कैनाल में एक शानदार बोट-राइड न्यूली-वेड्स के लिए यादगार साबित होगी। ये गोंडोला राइड्स के नाम से मशहूर हैं। कैनाल के अलावा पियाजा सैन मार्को भी जरूर देखें। यहां के ला जुका, रिवेरिआ और अल मेरका जैसे रेस्ट्रॉन्ट्स भी बेहद पसंद आएंगे। कुलमिलाकर प्यार को सेलेब्रेट करने के लिए वेनिस से अच्छी जगह नहीं होगी।

बोरा बोरा- बोरा बोरा को परफेक्ट लवर्स पैरेडाइज भी कहा जा सकता है। ये न्यूलीवेड्स के लिए आदर्श हनीमून डेस्टिनेशन है। यहां का माहौल किसी सपने जैसा महसूस होता है। ऐसा लगता है मानो आप दूसरी ही दुनिया में आ गए हों। एक कोजी स्टे के लिए आप होटल ले मेरीडियन, होटल मैटेयी और ब्लू हेवन आइलैंड ट्राय करें। रेस्ट्रॉन्ट्स में ला विला महाना, द लकी हाउज और ते पहु में शानदार मील्स लिए जा सकते हैं। यहां का सनसेट आप अपने पार्टनर के साथ खूब एन्जॉय करेंगे।

पैरिस- खुद को एक परफेक्ट रोमांटिक फैंटेसी में देखना चाहते हैं तो पैरिस से अच्छा कुछ नहीं। यहां के होटल रेसिडेंस फो, एक्रोपोल और शांग्रीला में रोमांटिक और बेहद आरामदायक स्टे किया जा सकता है। इस सिटी में अपने पार्टनर का हाथ पकड़कर पैदल घूमने का अलग ही मजा है। नोट्रे डेम या आइकॉनिक एफिल टॉवर में पिक्चर्स क्लिक करवाएं। पैरिस का माहौल आपकी मैरिड लाइफ में काफी रस घोल सकता है।

कॉट्सवोल्ड्स- इंग्लैंड का कॉट्सवोल्ड्स हनीमून के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां आपको बहुत प्रिवेसी मिलेगी और साथ ही फिशिंग, स्विमिंग और बोटिंग एन्जॉय करने का वक्त भी मिलेगा। कॉट्सवोल्ड्स में ओल्ड स्टॉक इन, मेटाइम इन और बार्न्सले हाऊस में स्टे करें और यहां के अद्भुत व्यू का आनंद उठाएं। वारविक कासल, एवॉन ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी जैसे लैंडमार्क्स बिलकुल मिस नहीं करें। सबसे अच्छा खाना खाने के लिए ल्युमिएर, ग्रेप एस्केप और डिनर एट सिक्स जाएं। इस जगह की हरियाली आपके अंदर के नेचर लवर को बाहर निकाल कर ले आएगी। यहां के पार्क में एक रोमांटिक पिकनिक करें। ये आपकी यादों में हमेशा बनी रहेगी।

भारत में रेडिसन समूह ने 2023 में 21 होटलें खोलीं

मुंबई । भारत में रेडिसन होटल समूह ने 2023 में नौ ब्रांड के तहत 21 संपत्तियां शामिल करने के साथ अपना विस्तार तेज कर दिया है। रेडिसन समूह के बयान के अनुसार इन 21 होटल में उत्तर प्रदेश के अयोध्या में समूह की पहली संपत्ति पार्क इन बाय रेडिसन अयोध्या भी शामिल है। राम लला की पिछले महीने प्राण प्रतिष्ठा के बाद इस गंतव्य ने राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का काफी ध्यान आकर्षित किया है। समूह जल्द ही उत्तर प्रदेश के वृन्दावन और मध्य प्रदेश के उज्जैन में ब्रांडेड होटल शुरू करेगा। भारतीय बाजार में रेडिसन होटल समूह 165 से अधिक होटल के संचालन और विकास के साथ सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय होटल संचालक में से एक है। रेडिसन होटल समूह के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हम जीवंत और तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यहां वर्तमान में हमारे 165 से अधिक होटल परिचालन में हैं और बनाए जा रहे हैं।

कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयर आठ फीसदी गिरे

नई दिल्ली । कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयर 468 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले आठ फीसदी की गिरावट के साथ बुधवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुए। कंपनी के शेयर ने एनएसई पर निर्गम मूल्य से 8.07 फीसदी की गिरावट के साथ 430.25 रुपये पर कारोबार शुरू किया। इसी तरह बीएसई पर भी शेयर निर्गम मूल्य से सात फीसदी गिरकर 435 रुपये पर खुला। कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पेशकश के तीसरे एवं अंतिम दिन नौ फरवरी को चार गुना अभिदान मिला था। लघु वित्त बैंक ने आईपीओ के तहत 450 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए हैं। इसके अलावा 15,61,329 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी है। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 445-468 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक ने एंकर (बड़े) निवेशकों से 157 करोड़ रुपये जुटाए थे।

रेटिंग एजेंसी ने चार कंपनियों के आउटलुक को किया अपग्रेड

नई दिल्ली । हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के करीब एक साल बाद एक रेटिंग एजेंसी ने कंपनियों की रेटिंग को अपग्रेड करने का फैसला लिया है। रेटिंग एजेंसी ने अडानी समूह की 4 कंपनियों को अपग्रेड करने का फैसला लिया है। इस रेटिंग को अब निगेटिव आउटलुक से स्टेबल कर दिया गया है। एजेंसी ने ग्रुप की जिन 4 कंपनियों की रेटिंग में बदलाव किया है। उसमें अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी ग्रीन एनर्जी रिस्ट्रिक्टिड ग्रुप, अडानी ट्रांसमिशन स्टेप वन और अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई का नाम शामिल है। गौरतलब है कि फरवरी 2023 में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद में मूडीज ने इन 4 कंपनियों के आउटलुक को स्टेबल से घटाकर निगेटिव कर दिया था। उस समय पर मूडीज ने कैपिटल के एक्सेस और कैपिटल लॉस को लेकर भी चिंता जताई थी। अमेरिका स्थित शॉर्ट सेलर के आरोपों की वजह से अडनी समूह की कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट देखने को मिली थी। इसके अलावा मूडीज ने अडानी पोर्ट्स एंड सेज, अडानी इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड, अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ग्रुप और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड लिमिटेड ग्रुप 1 पर स्टेबल आउटलुक किया है। 24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग रिसर्च ने रिपोर्ट जारी कर अडानी समूह पर शेयरों के भाव में हेराफेरी कर उसे ऊपर भगाने का आरोप लगाया था। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद शेयर बाजार में लिस्टेड सभी अडानी समूह के 10 स्टॉक्स में गिरावट की शुरुआत हो गई थी।

गूगल क्रोम से जुड़े खतरे को लेकर एक हाई रिस्क अलर्ट जारी

- आपकी संवेदनशील जानकारी चोरी होने का खतरा

नई दिल्ली ।

अगर आप गूगल क्रोम का उपयोग करते हैं और अपने मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी डिवाइस में क्रोम ब्राउज़र का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो आपको सावधान रहने की जरूरत है। भारत सरकार की साइबर सिक्योरिटी एजेंसी कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पान्स टीम (सीईआरटी) ने गूगल क्रोम से जुड़े एक खतरे को लेकर एक हाई रिस्क अलर्ट जारी किया है। बता दें कि मौजूदा समय में करीब 66 फीसद सर्च मार्केट पर गूगल क्रोम की हिस्सेदारी है। ऐसे में सभी मोबाइल, लैपटॉप और कंप्यूटर यूजर्स को ध्यान देना चाहिए। सीईआरटी द्वारा जारी एक अलर्ट के मुताबिक इसके इस्तेमाल पर आपकी संवेदनशील जानकारी चोरी होने का खतरा है। केंद्र सरकार की साइबर सिक्योरिटी एजेंसी सीईआरटी की मानें तो गूगल क्रोम में कई सारी खामियां का पता लगाया गया है। सीईआरटी की टीम ने गूगल क्रोम से जुड़े इस रिस्क की जानकारी दी है। सीईआरटी का मानना है कि गूगल क्रोम को रिमोटली कंट्रोल किया जा सकता है। साथ ही इसमें मैलेशियस कोड डाला जा सकता है। इस तरह हैकर्स यूजर्स का संवेदनशील डेटा चुरा सकते हैं। सीईआरटी की ओर से सिक्योरिटी एडवाइजरी जारी की गई है, जिसमें वेब पेज पर अटैकर्स हमला कर सकते हैं। सीईआरटी के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट ऑपरेटिंग सिस्टम (ओएस) के लिए गूगल क्रोम ब्राउजर के वर्जन

122.0.6167.160/161 और इससे पहले के वर्जन में सिक्योरिटी रिस्क पाया गया है। वहीं मैक और लिनक्स ओएस में क्रोम वर्जन 122.0.6167.160 और उससे पहले का वर्जन प्रभावित है। अगर आप इस सिक्योरिटी रिस्क से सुरक्षित रहना चाहते हैं तो आप अपने गूगल क्रोम ब्राउजर को फटाफट अपडेट कर लें। गूगल ने सिक्योरिटी रिस्क में सुधार के लिए स्टेबल अपडेट की लिस्ट जारी की है।

जनवरी में देश में थोक मुद्रास्फीति घटकर 0.27 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली ।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी की वजह से थोक मुद्रास्फीति जनवरी में घटकर 0.27 प्रतिशत पर आ गई। दिसंबर 2023 में यह 0.73 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी। नवंबर में यह 0.39 प्रतिशत दर्ज की गई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जनवरी में लिए 0.27 प्रतिशत (अस्थायी) रही। थोक मुद्रास्फीति जनवरी 2023 में 4.8 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2024 में खाद्य सामग्री की महंगाई दर 6.85 प्रतिशत रही जो दिसंबर 2023 में 9.38 प्रतिशत थी। जनवरी में सब्जियों की महंगाई दर 19.71 प्रतिशत, जो दिसंबर 2023 में 26.3 प्रतिशत रही थी। जनवरी में दालों में थोक मुद्रास्फीति 16.06 प्रतिशत थी, जबकि फलों में यह 1.01 प्रतिशत रही।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हैदराबाद में खरीदी 12.5 एकड़ जमीन

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने हैदराबाद में 3,500 करोड़ रुपये की राजस्व क्षमता वाली आवासीय परियोजना के लिए 350 करोड़ रुपये में 12.5 एकड़ जमीन खरीदी है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसने हैदराबाद के राजेंद्र नगर में 12.5 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है, लेकिन सौदे के मूल्य तथा विक्रेता के नाम का खुलासा नहीं किया। हालांकि बाजार सूत्रों ने बताया कि सौदा करीब 350 करोड़ रुपये में हुआ। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक ने भूमि सौदे में मदद की। गोदरेज प्रॉपर्टीज आवास की मांग में वृद्धि के बीच अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए जमीन खरीद रही है, भूखंड रखने वाली संस्थाओं के साथ साझेदारी भी कर रही है। कंपनी के अनुसार इस भूमि पर करीब 40 लाख वर्गफुट बिक्री योग्य क्षेत्र बनने का अनुमान है, जिसमें मुख्य रूप से करीब 3,500 करोड़ रुपये की अनुमानित राजस्व क्षमता वाले विभिन्न प्रीमियम आवासीय अपार्टमेंट शामिल हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा कि हैदराबाद कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार होगा। कंपनी की अभी मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे, दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु में अच्छी उपस्थिति है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिश्रित रुख के बीच ही खरीददारी हावी रहने से आया है। एसबीआई, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक के शेयर में तेजी से भी बाजार को बल मिला है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 0.39 फीसदी करीब 277.98 अंक बढ़कर 71,833.17 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.45 फीसदी तकरीबन 96.80 अंक ऊपर आकर 21,840.05 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में स्टेट बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की गयी। एसबीआई के शेयर 4.15 फीसदी ऊपर आकर बंद हुए। साथ ही टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, मारुति, एनटीपीसी, पवार ग्रिड, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा पावर और कोटक बैंक सहित 17 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये।

वहीं दूसरी ओर अमेरिका के खराब मुद्रास्फीति आंकड़ों के कारण भी आईटी शेयरों में दबाव आने से ये नीचे आये हैं। टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेके के शेयर भी टूटे हैं। अमेरिका के निराशाजनक मुद्रास्फीति आंकड़ों के बावजूद एसबीआई, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक जैसे शेयरों में उछाल से बाजार ऊपर आया है।

देश में महंगाई में लगातार कमी आ रही है और जनवरी में थोक मुद्रास्फीति घटकर 0.27 फीसदी पर आ गई। खाने-पीने की चीजों की कीमतों में नरमी की वजह से इसमें बीते महीने कमी आई है। वहीं गत दिसंबर 2023 के दौरान देश में थोक मुद्रास्फीति या महंगाई 0.73 फीसदी थी।

इससे पहले आज सुबह अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़े उम्मीद से ज्यादा रहने से बाजारों में बिकवाली दर्ज की गई और इसका असर घरेलू शेयर बाजार पर भी पड़ा, इससे बाजार गिरावट के साथ खुला। अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़े ज्यादा रहना का मतलब है कि फेडरल रिजर्व की तरफ से ब्याज दरों में कटौती की जल्द कोई संभावना नहीं है। बीएसई सेंसेक्स 600 अंक की बड़ी गिरावट लेकर 71 हजार के नीचे आते हुए 70,899 पर खुला जबकि निफ्टी-50 भी 150 अंक गिरावट के साथ 21,594 अंक पर खुला। विप्रो, इंफोसिस, इंडसइंड बैंक, एचसीएलटेक, टेक एम और टाइटन ने सेंसेक्स पर सबसे अधिक गिरावट दर्ज की, जबकि आयशर निफ्टी में सबसे ज्यादा नुकसान में रहा।

यात्री वाहन की थोक बिक्री जनवरी में 14 फीसदी बढ़कर 3,93,074 इकाई हुई

नई दिल्ली ।

यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग को देखते हुए घरेलू यात्री वाहन की थोक बिक्री जनवरी में सालाना आधार पर 14 फीसदी बढ़कर 3,93,074 इकाई हो गई। यह जनवरी में अभी तक दर्ज बिक्री का सर्वाधिक आंकड़ा है। जनवरी 2023 में थोक बिक्री 3,46,080 इकाई रही थी। वाहन कंपनियों के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री जनवरी में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 14,95,183 इकाई रही। जनवरी 2023 में थोक बिक्री 11,84,376 इकाई रही थी। सियाम के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि सकारात्मक उपभोक्ता भावनाओं के बीच यात्री वाहन की बिक्री मजबूत बनी हुई है। दोपहिया वाहन खंड में जनवरी में अच्छी वृद्धि देखी गई और ग्रामीण बाजार में सुधार जारी है। उन्होंने कहा कि हालांकि जनवरी 2024 में वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र में वृद्धि नहीं हुई, लेकिन चालू वित्त वर्ष के अगले दो महीनों में इसमें अच्छी

मांग की संभावना है। तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री जनवरी में नौ प्रतिशत की वृद्धि के साथ 53,537 इकाई रही, जबकि जनवरी 2023 में यह 48,903 इकाई थी। वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल से जनवरी की अवधि में यात्री वाहनों और तिपहिया वाहनों की अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की गई।

इंडिगो ने चार एयरबस के लिए बीओसी से किया समझौता

सिंगापुर । बीओसी एविएशन और इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) ने चार एयरबस ए320एनईओ विमानों के लिए एक पट्टा समझौता किया है। सिंगापुर की बीओसी एविएशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा` कि हम इंडिगो के साथ अन्य चार पट्टों संबंधी समझौता करने पर खुश हैं। सभी विमान सीएफएम एलईएपी-1ए इंजन द्वारा संचालित हैं। सभी चार विमानों की आपूर्ति 2024 में की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने चार एयरबस ए320एनईओ विमानों के लिए पट्टा समझौते के जरिए बीओसी एविएशन के साथ अपनी साझेदारी को और बढ़ाया है।

चावल की कुछ किस्मों के लिए बनेगा एचएसएन कोडः अधिकारी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार चावल की कुछ किस्मों के लिए नए एचएसएन कोड विकसित करने के बारे में विचार कर रही है ताकि उन किस्मों का निर्यात किया जा सके जिनका देश में लोग उपयोग नहीं करते हैं। वर्तमान में गैर-बासमती सफेद चावल की सभी किस्मों के निर्यात पर रोक लगी है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की प्रस्तुति के अनुसार लाल चावल, काले चावल और कालानमक चावल जैसी जीआई (भौगोलिक संकेतक) दर्जे वाले चावल की किस्मों के लिए अलग-अलग एचएसएन कोड पर काम चल रहा है। वैश्विक व्यापार की भाषा में प्रत्येक उत्पाद को एचएसएन कोड (हारमोनाइज्ड सिस्टम ऑफ नोमेनक्लेचर) के तहत वर्गीकृत किया जाता है। यह दुनिया भर में वस्तुओं के व्यवस्थित वर्गीकरण में मदद करता है। वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि गैर-बासमती चावल की करीब 40-50 किस्में होती हैं। सरकार जब उसके निर्यात पर प्रतिबंध लगाती है, तो सोना मसूरी, गोविंद भोग, कालानमक या सामान्य सफेद गैर-बासमती चावल जैसी सभी किस्मों का निर्यात बंद हो जाता है। उन्होंने कहा कि चावल की कुछ अन्य किस्मों के लिए नया एचएसएन कोड उद्योग की मांग है, इसमें अंतर कैसे करें यह आंतरिक

बहस का मुद्दा है। हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसा करने की कोई जरूरत है या नहीं क्योंकि एक ओर हम एक देश के तौर पर चावल पर प्रतिबंध नहीं लगाना चाहेंगे, जिसको लेकर कोई चिंता नहीं है।

टाटा कैपिटल अपरिवर्तनीय डिबेंचर से जुटाएगी 20,000 करोड़

नई दिल्ली ।

टाटा कैपिटल के निदेशक मंडल ने अपरिवर्तनीय डिबेंचर के जरिये 20,000 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दी है। कंपनी इस रकम का उपयोग कर्ज देने में करेगी। कंपनी की सहायक इकाई (सब्सिडियरी कंपनी) टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस भी 8,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही है मगर वह रकम 20,000 करोड़ रुपये का हिस्सा नहीं होगी। पूंजी जुटाने की योजना को टाटा संस से मंजूरी मिलने के बाद टाटा कैपिटल निजी नियोजन के आधार पर डिबेंचर जारी करेगी। यह पूंजी एकमुश्त भी जुटाई जा सकती है और किस्तों में भी ली जा सकती है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार एचडीएफसी बैंक ने पिछले साल फरवरी में 25,000 करोड़ रुपये और पीरामल हाउसिंग फाइनेंस ने अगस्त 2016 में 20,455 करोड़ रुपये जुटाए थे। रिलायंस ने पिछले साल नंबर में बांड जारी कर 20,000 करोड़ रुपये जुटा` लिए थे। वित्तीय सेवा कारोबार में तेजी देखते हुए टाटा संस समय-समय पर टाटा कैपिटल में पूंजी डालती रही है। टाटा संस 2020 से टाटा कैपिटल में करीब 5,000 करोड़ रुपये लगा चुकी है। बड़े आकार की गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को सूचीबद्ध कराने के भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश का पालन करने के लिए टाटा समूह भी कैपिटल फाइनेंशियल सर्विसेज को 2025 तक शेयर बाजार में ले जाने की

योजना बना रहा है। बैंकरों ने बताया कि टाटा समूह की बैटरी सेल बनाने वाली कंपनी एग्रेटास एनर्जी स्टोरेज भी ग्रीन लोन के तौर पर 50 करोड़ डॉलर जुटाने की योजना बना रही है।

रियल एस्टेट के दिवालिया होने पर भी बच जाएंगे ग्राहकों के घर

नई दिल्ली ।

भारतीय ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवालिया बोर्ड (आईबीबीआई) ने मकान खरीदारों को बड़ी राहत प्रदान की है। आईबीबीआई ने परिसमापन नियमों में संशोधन करते हुए कहा है कि रियल एस्टेट परियोजना में जमीन या मकान खरीदने वाले को संपत्ति पर कब्जा दे दिया जाता है तो उस संपत्ति को परिसमापन प्रक्रिया से बाहर रखा जाएगा। हाल ही में जारी अधिसूचना में कहा गया है` कि धारा 36 की उप-धारा (4) के उपबंध (ई) के अनुसार कर्ज लेने वाली कंपनी ने अगर रियल एस्टेट परियोजना में ग्राहक को संपत्ति पर कब्जा दे दिया है तो उस संपत्ति को कर्जदार के परिसमापन में शामिल नहीं किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के रियल एस्टेट नियमन प्राधिकरण के एक पूर्व चेयरमैन ने कहा कि नियामक का यह कदम मकान खरीदारों के हित में है। कई ऐसे मामले हैं जहां संपत्ति ऋणशोधन अक्षमता में फंस गई और कब्जा नहीं मिला। आईबीबीआई को इस पर भी ध्यान देना चाहिए। ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवालिया नियामक ने 7 नवंबर, 2023 को जारी परामर्श पत्र में रियल एस्टेट से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं में दिवालिया मामले में ज्यादा बोलीदाताओं को आकर्षित करने के लिए अलग-अलग परियोजना के लिए दिवालिया प्रक्रिया अपनाने की बात कही। आईबीबीआई ने रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण की भूमिका बढ़ाने की भी वकालत की है। इसके लिए समाधान प्रक्रिया में जाने वाली सभी रियल एस्टेट परियोजनाओं का पंजीकरण समाधान पेशेवरों द्वारा रियल एस्टेट नियामक के पास अनिवार्य रूप से कराने का प्रस्ताव है।

एक बार फिर कोर्ट पहुंचा अडानी-हिंडनबर्ग विवाद मामला

- सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ एक समीक्षा याचिका दायर की गई

नई दिल्ली ।

अमेरिका के शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग और गौतम अडानी समूह के विवाद का मामला एक बार फिर कोर्ट पहुंच गया है। दरअसल, शेयर बाजार नियामक सेबी की जांच को हरी झंडी देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ एक समीक्षा याचिका दायर की गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिटीशनर ने नई याचिका में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में गलतियां हैं और सेबी के रेगुलेटरी फेल्योर्स को भी नजरअंदाज किया गया है। पिटीशनर ने तर्क दिया है कि 3 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आदेश की समीक्षा के पर्याप्त आधार हैं।

सुप्रीम कोर्ट के कुछ सकारात्मक बयानों के बावजूद अडानी समूह ने सिक्योरिटीज लॉ का उल्लंघन किया है या नहीं, इसकी सेबी की जांच अभी भी जारी है। याचिकाकर्ता के मुताबिक सेबी ने अपनी स्थिति रिपोर्ट में केवल 24 जांचों की स्थिति को पूर्ण या अपूर्ण के रूप में अपडेट किया है। जब तक सेबी जांच के निष्कर्षों को सार्वजनिक रूप से रिपोर्ट नहीं किया जाता है, तब तक यह तय नहीं किया जा सकता है कि कोई नियामक विफलता नहीं हुई है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी में सेबी को 3 महीने में जांच पूरी करने को कहा था। सेबी ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट में कहा कि 24 में से 22 जांच अंतिम थीं और 2 मामले की जांच हो रही है। सेबी के 22 मामले में शेयर की कीमतों में हेरफेर पर दो, संबंधित पार्टी लेनदेन (आरटीपी) का खुलासा करने में विफलता पर 13, अंदरूनी व्यापार नियमों के उल्लंघन पर पांच और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) और अधिग्रहण पर नियमों के उल्लंघन पर एक-एक रिपोर्ट शामिल है।

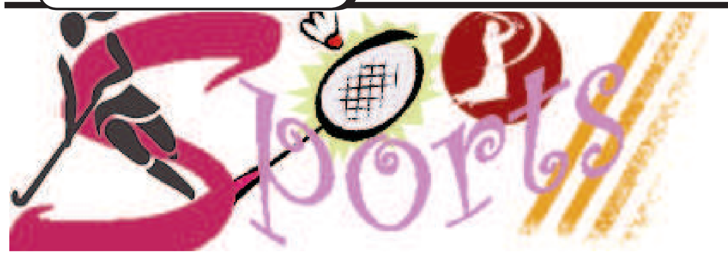

राजकोट में उतरते ही 100 टेस्ट खेलने वाले 16वें खिलाड़ी बन जाएंगे स्टोक्स

राजकोट । इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स यहां भारत के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में उतरते ही एक अहम उपलब्धि हासिल करेंगे। ये उनका 100 टेस्ट मैच होगा ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह इंग्लैंड के 16वें खिलाड़ी होंगे। स्टोक्स ने हालांकि कहा कि वह इन बातों को अधिक महत्व नहीं देते। उनका लक्ष्य हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। स्टोक्स ने कहा, हर टेस्ट उतना ही अहम है जितना अगला। फिर चाहे वह कोई भी हो। 99, 100 या 101 टेस्ट नंबर से कोई खास फर्क नहीं पड़ता। यह सिर्फ एक संख्या है। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहता कि ऐसा लगे कि मैं उन अवसरों के लिए आभारी नहीं हूं जो मुझे मिले हैं। गौरतलब है कि स्टोक्स ने 2013 में पदार्पण किया था और खेल के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक बन गए हैं। उनकी आक्रामक कप्तानी में टीम ने अब तक खेले गये 20 में से 14 टेस्ट जीते हैं। टीम के कोच ब्रेंडन मैकुलम भी स्टोक्स के खेलने के अंदाज और कप्तानी कोशल को पसंद करते हैं।

भारतीय महिलाओं ने चीन को अपसेट किया; पुरुषों ने हांगकांग को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

शाह आलम (मलेशिया)

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने बुधवार को यहां बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर शक्तिशाली चीनी खिलाड़ियों को हराया, जबकि पुरुषों ने हांगकांग को हराया और क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु के नेतृत्व में महिलाओं ने टीम स्पर्धा में पहली बार चीन को हराया, जिसमें किशोर नवोदित अनमोल खरब ने प्रेरणादायक प्रदर्शन किया और ग्रुप डब्ल्यू में भारतीय के पक्ष में 3-2 की स्कोर लाइन सुनिश्चित की। बाद में, पुरुष टीम ने हांगकांग को 4-1 से हराकर ग्रुप ए से शीर्ष दो में जगह पक्की कर ली। सिंधु ने पिछले अक्टूबर में चोट के कारण फ्रेंच ओपन के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी बैडमिंटन में वापसी की। सिंधु ने दिखाया कि वह न केवल अपनी फॉर्म हासिल कर रही है बल्कि अपना आत्मविश्वास भी हासिल कर रही है क्योंकि उसने हान यू के खिलाफ शुरुआती गेम आसानी से जीत लिया और फिर अगले 13 में से 11 अंक जीतकर 10-13 से पिछड़ने के बाद भारत को 21-17,21-15 से जीत के साथ बढ़त दिला दी। हालाँकि, चीनी टीम ने तेजी से स्कोर 1-1 से बराबर कर लिया क्योंकि युगल जोड़ी अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रैस्टो 19-21, 16-21 के स्कोर के साथ सीधे गेम में हार गईं। तीसरे मुकाबले में अश्मिता चालिहा को ज़ी यी वांग से 13-21, 15-21 के स्कोर के साथ सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। इससे चीन मुकाबले में जीत सुनिश्चित करने के लिए अनुकूल स्थिति में आ गया। ऑल इंग्लैंड सेमीफाइनलिस्ट ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने विश्व नंबर 22 ली यी जिंग और लुओ जू मिन को एक घंटे और नौ मिनट में 10-21, 21-18, 21-17 से हराकर बराबरी हासिल की। तब सभी की निगाहें राष्ट्रीय चैंपियन अनमोल पर टिक गयीं, जो पहली बार प्रतियोगिता में खेल रही थीं। एक करीबी मुकाबले वाले शुरुआती गेम में, किशोरी ने वू लुओ यू के दबाव में अपना दूसरा गेम प्वाइंट बदला और पहला गेम जीत लिया। ऐसा लग रहा था कि अनमोल पर दबाव बढ़ रहा था क्योंकि वह दूसरा गेम हार गई और तीसरे की शुरुआत में 1-5 से पिछड़ गई। हालाँकि, वह शटल को खेल में बनाए रखने के अपने गेम प्लान पर कायम रही और मैच को 22-20, 14-21, 21-18 से समाप्त कर दिया। ग्रुप डब्ल्यू में सिर्फ दो टीमों के साथ, भारत शीर्ष टीम के रूप में क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेगा। टीम की जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, टीम को

चीन को हराते देखना एक विशेष एहसास है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हमने टीम का चयन करते समय युवाओं पर भरोसा दिखाया और मुझे खुशी है कि उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। पुरुष टीम स्पर्धा में, भारतीय टीम ने शुरुआती पुरुष एकल मैच में एचएस प्रणय की हार को पीछे छोड़ते हुए हांगकांग को काफी आसानी से हरा दिया। गुरुवार को ग्रुप विजेता का फैसला करने के लिए उनका सामना चीन से होगा। शुरुआती मुकाबले में प्रणय को एनजी का लॉन्ग एंगस के हाथों 18-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा।

पेरिस ओलंपिक पदकों में मिला है एफिल टावर का लोहा

पेरिस ।

2024 पेरिस ओलंपिक खेलों और पैरा-ओलिम्पिक खेलों के पदकों में इस बार पेरिस के मशहूर एफिल टावर के एक हिस्से को भी दिखाया है। 20वीं शताब्दी में एफिल टावर के नवीकरण के दौरान इससे कुछ धातुओं को हटाकर संभाल लिया गया था। अब इन धातुओं का इस्तेमाल पदकों में किया जाएगा। वहीं इससे पहले पदकों में यूनान की देवी की प्रतिमा और एक्रोपोलिस दिखते रहे हैं। ओलंपिक खेलों के लिए कुल 5084 पदक बनाए गए हैं। इसमें पदकों के एक ओर एक्रोपोलिस और दूसरी ओर एफिल टॉवर दिखेगा। एक खिलाड़ी ने कहा कि पदकों के डिजाइन में पेरिस की झलक नजर आयेगी। ओलिम्पियन और पैराओलिम्पियनों के लिए समान पदक रखे जाएंगे। इसमें एफिल टॉवर के अमूल्य लोहे का एक टुकड़ा शामिल किये जाने की मांग उठी थी जो पूरी हुई है। पदक में हम फ्रांस का प्रभाव दिखाना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि पदक एक आभूषण की तरह नजर आये। वहीं पैरालिम्पिक खेलों में 20 बार की स्वर्ण पदक विजेता तैराक बीट्राइस हेस ने कहा कि एक फ्रांसीसी व्यक्ति के रूप में, ये पदक देखकर हमें गर्व होता है। मुझे लगता है कि अगर हम घरेलू धरती पर पदक जीतते हैं तो वे हमारे लिए और भी अधिक मूल्यवान होंगे। 2021 के यूरोपीय कुश्ती चैंपियन कौम्बा लारोक ने कहा कि यह एक बड़ी प्रेरणा है, मैं बहुत मेहनत कर रहा हूं। उन पदकों को करीब से देखकर मुझे अपनी उंगलियों से अपने लक्ष्य तक पहुंचने और छूने की इच्छा होती है। आयोजन समिति के अध्यक्ष टोनी एस्टांगुएट ने कहा कि इन पदकों को अलग बनाने के लिए सोने, चांदी और कांस्य जैसी धातुओं के साथ ही एफिल टॉवर की सबसे कीमती धातु भी मिलायी गयी है। वहीं पैरालिम्पिक पदकों में नीचे से एफिल टॉवर का दृश्य दिखाई देता है और उन पर ब्रेल लिपि में पेरिस 2024 अंकित है। इससे फ्रांसीसी लेखक लुई ब्रेल को श्रद्धांजलि देने का काम किया गया है। ओलिम्पिक मशाल खेलों के इतिहास में पहली बार ओलिम्पिक और पैरालिम्पिक दोनों के लिए इस्तेमाल की जाएगी। फ्रांसीसी डिजाइनर मैथ्यू लेहनूर ने स्टील से 3.3 पाउंड की मशाल बनाई है।

टॉपले सहित कई दिग्गज पाक सुपर लीग में नजर नहीं आयेंगे

कराची ।

पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को करार झटका लगा है। इसका कारण है कि कुछ क्रिकेट बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों के दूसरे देशों में घरेलू टी20 लीग खेलने पर रोक लगा दी है। वहीं कई क्रिकेरों ने चोटिल होने के कारण पीएलएल में नहीं खेलने का फैसला किया है। पीएसएल 17 फरवरी से लाहौर में शुरू हो रहा है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रीस टॉपले चोटिल होने के कारण ट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने वाले नये खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भी कहा कि उसने टॉपले को पीएसएल में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी नहीं किया है। कुछ अन्य बोर्ड भी पीएसएल के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र देने से इंकार कर दिया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी पेशावर जाल्मी की ओर से नहीं खेल पायेंगे। इसके अलावा क्वेटा ग्लैडिएटर्स को श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा के बिना ही मैदान में उतरना होगा। वेस्टइंडीज के क्रिकेटर शाई होप, मैथ्यू फोर्ड और अकील हुसैन के साथ दक्षिण अफ्रीका के तबरेज शमशी और रासी वान डेर डुसेन भी पीएसएल के आगामी सत्र में नहीं खेलेंगे। इंग्लैंड के जेम्स विंस और अफगानिस्तान के नूर अहमद तथा नवीन उल हक भी इस पूरे टूर्नामेंट में नजर नहीं आयेंगे। कई दिग्गजों के बाहर रहने के कारण पीएसएल की एक फ्रेंचाइजी के मालिक ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से इस टूर्नामेंट के आयोजन का समय बदलने को कहा है।

सिंधु ने बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में जीत के साथ वापसी की

नई दिल्ली ।

भारत की महिला बैडमिंटन स्टार ने पीवी सिंधु ने बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप (बीएटीसी) से शानदार वापसी करते हुए महिला एकल में चीन की हेन युई को 40 मिनट में 21-17 21-15 से हराकर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इससे भारतीय टीम ने चीन की मजबूत टीम को 3-2 से हराया। इस चैम्पियनशिप में केवल दो टीम होने के कारण भारत की नॉकआउट में जीत तय थी पर टीम ने शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन को हराकर शानदार तरीके से इसमें जगह बनायी।वहीं इसके बाद भारत की ही तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी को ल्यु शेंग शु और टेन निंग की जोड़ी को 19-21 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ही अस्मिता चालिहा भी चीन की वैंग झी यी के खिलाफ 13-21 15-21 से हार गई जिससे तीन मैच के बाद भारतीय टीम 1-2 से पीछे हो गयी। त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने इसके बाद ली यी जिंग और लुओ शू मिन की जोड़ी को एक घंटे और नौ मिनट में 10-21 21-18 21-17 से हराकर भारतीय टीम को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक मुकाबले में भारत की अनमोल खरब ने वू लियो यू को एक घंटे और 17 मिनट में 22-20 14-21 21-18 से हराकर भारत की जीत पक्की की।

संक्षिप्त समाचार

बचे हुए टेस्ट मैचों में दिखेंगे स्पिनरों के सहायक विकेट : कुलदीप

राजकोट । भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले दोनो ही मैचों में तेज गेंदबाजों को अधिक सहायत मिली पर बचे हुए मैचों में हमें स्पिनरों के सहायक टर्निंग विकेट मिल सकते हैं। कुलदीप ने गुरुवार से होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले कहा कि सीरीज के बचे हुए तीन मैचों में टर्निंग विकेट हो सकते हैं। कुलदीप के अनुसार पहले दो टेस्ट मैचों के लिए तैयार किए गए विकेट अच्छे थे और उनमें जिस प्रकार से परिणाम निकले वह टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत है, इस दौरान तेज गेंदबाजों को ही अधिक सहायता मिली। दोनो ही देशों के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज अभी 1-1 से बराबरी पर है। तीसरा टेस्ट मैच गुरुवार से राजकोट में खेला जाएगा। कुलदीप ने कहा, 'इस सीरीज में सभी बातें अहम रही हैं। तेज गेंदबाज ठीक से अपनी भूमिका निभा रहे हैं। इसलिए जीवंत विकेट होना क्रिकेट के लिए लाभदायक रहा पर कहा कि आने वाले मुकाबलों में टर्निंग विकेट भी आपको मिल सकते हैं, इससे स्पिनर हावी रहेंगे। इस सीरीज में इंग्लैंड ने आक्रामक रणनीति बनाते हुए पहला टेस्ट जीता जबकि भारतीय टीम ने दूसरा मैच जीतकर बराबरी हासिल की। इन दोनो ही मैचों में विकेट से स्पिनरों को सहायता नहीं मिली। कुलदीप से जब पूछा गया कि पहले दो टेस्ट मैच के लिए स्पिनरों के अनुकूल विकेट तैयार क्यों नहीं किए गए। इसपर उन्होंने कहा, 'मुझे पता नहीं। मैं पूरी तरह से स्पिनरों की सहायक विकेट पर नहीं खेला हूं। मैं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदानों पर खेली गई पिछली सीरीज में भी शामिल नहीं था। कुलदीप ने कहा कि इंग्लैंड का बल्लेबाजी में आक्रामक रवैया टेस्ट क्रिकेट को देखते हुए सामान्य बात नहीं है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में आप बल्लेबाजी में इस तरह के आक्रामक रवैए के आदी नहीं होते हो। वहीं ऐसी स्थिति में स्पिनर को गेंदबाजी के दौरान अधिक ध्यान केंद्रित करना पड़ता है।

भारतीय टीम को बचे हुए मैचों में कड़ी टक्कर देगी इंग्लैंड : इयान चैपल

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल के अनुसार भारतीय क्रिकेट टीम को टेस्ट सीरीज के बचे हुए तीन मुकाबलों में इंग्लैंड से कड़ी टक्कर मिलेगी। चैपल ने हालांकि कहा कि घरेलू हालातों का लाभ भारतीय टीम को मिलेगा और वह हावी रहेगी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज अभी 1-1 से बराबरी पर है। इयान चैपल ने कहा, 'घरेलू टीम होने के नाते भारत को अंत में इस कठिन सीरीज में जीत मिलनी चाहिये।' उन्होंने साथ ही कहा, 'स्टोक्स की कप्तानी में आक्रामक रुख वाली ये इंग्लैंड की टीम इससे पहले की जो रूट की कप्तानी वाली टीम से कहीं बेहतर है। रुट की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम को भारत के खिलाफ 2021 में सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। ' चैपल ने कहा, 'भारत मजबूत टीम है और उनके पास रोहित शर्मा के रूप में एक अच्छा कप्तान है। रवींद्र जडेजा की वापसी से भी टीम बेहतर होगी पर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के नहीं खेलने से उसे झटका लगेगा।' उन्होंने लिखा, 'उम्मीद है कि चयनकर्ता अब मध्यक्रम के बल्लेबा श्रेयस अय्यर की बल्लेबाजी क्षमता को जरुरत से अधिक महत्व देना बंद कर किसी और बल्लेबाज को अवसर देंगे।

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुडापेस्ट को शतरंज ओलंपियाड मशाल सौंपी

नई दिल्ली

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार, को शतरंज ओलंपियाड के 45वें संस्करण के आधिकारिक मेजबान बुडापेस्ट को शतरंज ओलंपियाड मशाल सौंपी। बता दें कि 19 जून 2022 को दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक समारोह में प्रथम शतरंज ओलंपियाड मशाल रिले की शुरुआत की गई थी। हैंडओफ़ समारोह दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में हुआ, जहाँ खेल मंत्री ठाकुर ने ओलंपियाड मशाल फिडे अध्यक्ष अरकडी ड्वोर्कोविच और बुडापेस्ट को सौंपने से पहले भारतीय ग्रैंड मास्टर विश्वनाथन आनंद के साथ फिडे अध्यक्ष और हंगेरियन ग्रैंड मास्टर जुडिट पोल्गर के खिलाफ शतरंज का एक दोस्ताना खेल भी खेला।कार्यक्रम के दौरान, अनुराग ठाकुर ने कहा, मुझे खुशी है कि हमने कुछ साल पहले जो फैसला किया था (शतरंज ओलंपियाड मशाल रिले का) वह वास्तव में हुआ और मैं यहां शतरंज ओलंपियाड के लिए मशाल के हैंडऑफ समारोह में हूं।उन्होंने आगे कहा, शतरंज एक बौद्धिक विरासत है जो भारत शायद दुनिया को प्रदान करता है, और यह केवल एक खेल नहीं है,

बल्कि रणनीतिक गहराई और दार्शनिक ज्ञान का प्रतिबिंब है। यह शानदार खेल न केवल दिमाग को तेज करता है बल्कि धैर्य और लचीलेपन का अमूल्य सबक भी सिखाता है, साथ ही व्यक्ति को रणनीतिक महारत की बौद्धिक खोज के मार्ग पर ले जाता है। शतरंज ओलंपियाड का 44वां संस्करण वर्ष 2022 में चेन्नई में आयोजित किया गया था। उस समय वैश्विक आयोजन में 2500 से अधिक खिलाड़ियों और 7000 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया था। फीडे शतरंज ओलंपियाड का अगला संस्करण अब इस साल हंगरी के बुडापेस्ट में होगा और इसकी आधिकारिक घोषणा जल्द ही की जाएगी।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में मंधाना ने लगायी लंबी छलांग

दुबई ।

भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में लंबी छलांग लगायी है। मंधाना हाल में किये अच्छे प्रदर्शन के बल पर दो पायदान ऊपर आकर चौथे स्थान पर पहुंच गयी हैं। वहीं पहले तीन स्थानों पर इंग्लैंड की नैट साइवर ब्रंट, श्रीलंका की चमारी अथापत्थु और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी कायम हैं। मंधाना को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है। इस क्रिकेटर ने मुंबई में हुए मुकाबले बेहतर प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इससे उनकी रैंकिंग बेहतर हुई है। वहीं एशले गार्डनर तीन स्थान नीचे आकर 22वें नंबर पर जबकि फोएबे लीचफील्ड भी दो स्थान नीचे आई हैं। वहीं ताहलिया मैकग्राथ बल्लेबाजी रैंकिंग में चार स्थान के लाभ से 30वें नंबर पर आ गयी हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट की भी रैंकिग नीचे आयी है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद पांचवें स्थान पर फिसल गयी है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में 2.33 के औसत से केवल सात रन ही बना पायीं। इससे मंदाना को लाभ हुआ। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर एलिज-मैरी मार्क्स की रैंकिंग ऊपर आयी है। वह ऑलराउंडरों की रैंकिंग में 34 स्थान की बढ़त के साथ ही 75वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की किम गार्थ 36वें नंबर पर और अलाना किंग 19वें नंबर पर पहुंची हैं। गेंदबाजी में मैरिज़ेन कैप दूसरे नंबर पर पहुंच गयी हैं।

रोहित को कप्तानी से हटाने का मुम्बई का फैसला सही : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि मुम्बई इंडियंस ने आईपीएल 2024 के लिए रोहित शर्मा को कप्तान से हटाकर सही फैसला किया है। मुम्बई ने नीलामी से पहले ही गुजरात टाइटंस से ट्रेड करार के तहत लिए ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को कप्तान बना दिया था। इसकी प्रशंसकों ने आलोचना की थी। उनका कहना था कि एक दशक से कप्तानी कर रहे रोहित ने टीम को पांच बार खिताब जिताया था। वहीं अब उन्हें पंड्या के नेतृत्व में खेलना होगा। वहीं पूर्व फ्रेंचाइजी ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि उसने ये फैसला भविष्य को देखते हुए लिया है। । गावस्कर ने कहा कि मुम्बई एक ऐसी टीम है जो हमेशा भविष्य की ओर देखती है। कप्तानी से हटाये जाने से रोहित अब बिना दबाव के खेल सकेंगे। गावस्कर ने कहा कि देखिए, उन्होंने हमेशा फ्रेंचाइजी के भविष्य के बारे में सोचा है। रोहित 36 साल के हो गये हैं और तीनों प्रारूपों के लिए भारत का कप्तान होने के कारण उन पर काफी दबाव भी रहता है। ऐसे में मुम्बई ने इस बोझ को कुछ कम करने के लिए पंड्या को जिम्मेदारी देने का अच्छा प्रयास किया है। गावस्कर ने कहा कि हार्दिक को कप्तानी सौंपने से केवल मुंबई को ही लाभ होगा। इससे रोहित शीर्ष क्रम पर जाकर खुलकर खेल सकेंगे।

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने भारतीय कुश्ती संघ पर लगा प्रतिबंध हटाया

प्रदर्शनकारी पहलवानों पर कार्रवाई न करने को कहा

नई दिल्ली ।

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) पर लगाये अस्थाई निलंबन को हटा दिया है। इससे अब भारतीय पहलवान भी अपने ध्वज तले विश्व की कुश्ती प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे।

विश्व कुश्ती की शीर्ष संस्था ने इसके साथ ही डब्ल्यूएफआई से कहा कि वह प्रदर्शन करने वाले पहलवानों बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक के खिलाफ किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं करे। इससे पहले गत वर्ष डब्ल्यूएफआई के तय समय पर चुनाव नहीं करा पाने के कारण ही विश्व कुश्ती संस्था ने उसे अस्थाई रुप से निलंबित कर दिया था। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने कहा कि उसने निलंबन की समीक्षा करने के बाद उसे हटाया है पर कहा कि डब्ल्यूएफआई को उसे लिखित में देना होगा कि डब्ल्यूएफआई की सभी प्रतियोगिताओं विशेष कर ओलंपिक खेलों के ट्रायल्स तथा अन्य प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए पहलवानों के चयन में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होगा।

इस बयान में कहा गया कि जिन खिलाड़ियों के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा उनमें वह तीन पहलवान भी शामिल है जिन्होंने पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारी पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ यौन उत्पीड़न और भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर विरोध प्रदर्शन किया था। इसके बाद भारतीय कुश्ती महासंघ को निलंबित कर दिया गया था। प्रतिबंध हटने से अब भारतीय पहलवान भी विश्व संस्था की अगली प्रतियोगिता में देश के ध्वज तले खेल पाएंगे। विश्व संस्था ने इसके साथ ही डब्ल्यूएफआई से अपने एथलीट आयोग के चुनाव फिर से कराने को भी कहा। बयान में कहा गया है कि इस आयोग में सक्रिय खिलाड़ी या फिर वे खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं जिनको संन्यास लिए हुए चार साल से अधिक का समय नहीं हुआ है। मतदाता केवल खिलाड़ी ही होंगे। इन चुनाव का आयोजन किसी भी सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान किया जा सकता है लेकिन चुनाव एक जुलाई 2024 से तक कराने होंगे।

वॉर्नर ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट ट्रॉफी प्रशंसक को दी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज में अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब मिला है। वार्नर ने इस सीरीज में दो अर्धशतक लगाये थे। उनके इस प्रदर्शन उनकी टीम सीरीज में 2-0 की जीत दर्ज करने में सफल रही। वार्नर ने इसके बाद अपना प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड एक क्रिकेट प्रशंसक को दे कर सभी का दिला जीता। वार्नर ने मैच के बाद कहा कि सभी का प्रदर्शन अच्छा रहा। इससे उन्हें आगामी टी20 विश्व कप के लिए तैयार होने के लिए समय मिल गया है। साथ ही कहा कि वेस्टइंडीज में सीमा रेखा बहुत बड़ी नहीं हैं। मैं बहुत अच्छा हूं और सच में, हमारे पास बहुत सारे युवा हैं, अब उनके लिए काम करने का समय आ गया है। तीसरे मुकाबले में मेहमान टीम वेस्टइंडीज ने पहले खेलते हुए 220 रन बनाये। इसके जवाब में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम वार्नर के 81 रनों के बावजूद 183 रन ही बना पाई। इस प्रकार विंडीज को 37 रनों से इस मैच में जीत मिली। वहीं सीरीज के पहले 2 मुकाबले में उन्हें हार झेलनी पड़ी थी। वेस्टइंडीज की जीत में ऑलराऊंडर रोस्टन चेज के अलावा आंद्रे रसेल की अहम भूमिका रही। रसेल ने बल्लेबाजी करते हुए 7 छक्कों की मदद से 71 रन बनाए

दक्षिण गुजरात में पहली बार डिवाइस क्लोजर पद्धति से डॉक्टर स्नेहल पटेल द्वारा केथलब में मरीज का इलाज किया गया

सूरत। हर वर्ष 14 फरवरी के दिन लोग वेलेंटाइन डे मनाते हैं। बहुत ही कम लोग जानते हैं कि आज का दिन जन्मजात हृदय रोग जागृति दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। यह दिवस हृदय रोग के साथ जन्मे बच्चों और उनके परिवारों को समर्पित है। इसी दौरान सूरत में पहली बार डिवाइस क्लोजर पद्धति से एपी विंडो की केथलेब में माइक्रो सर्जरी की गई, जो दक्षिण गुजरात में पहली घटना है।

एक बच्चा जो श्वसनतंत्र में संक्रमण के कारण बार-बार बीमार पड़ रहा था साथ ही उसका वजन भी नहीं बढ़ रहा था। जांच करने पर पाया गया कि वह बच्चा जन्म से ही हृदय संबंधित बीमारी से पीड़ित है। जिसके तहत उसके हृदय में एक बड़ा सा छिद्र देखने को मिला। जिसे एओर्टोपाल्मोनरी (एपी) विंडो कहा जाता है। हृदय में से दो महा धामनिया निकलती हैं। जिस जिसमें से एक के द्वारा शुद्ध रक्त प्रवाहित होता है जबकि दूसरे के द्वारा अशुद्ध रक्त प्रवाहित होता है। दोनों धमनियों के बीच एक छिद्र है जिसे एपी विंडो कहते हैं। छिद्र के कारण कुछ रक्त गलत दिशा में (फेफड़े में) प्रवाहित हो जाता है। जिसकी सर्जरी डिवाइस क्लोजर की पद्धति से केथलेब में की गई।

सूरत में पहले भी ऐसे केस देखने को मिले हैं। जिसमें बच्चों का वजन काफी कम होता है अथवा एपी विंडो का छिद्र काफी बड़ा होता है। ऐसी स्थिति में ओपन हार्ट सर्जरी द्वारा उसे बंद किया जाता है। हमारे पास जो बच्चा आया था उसकी उम्र 2 वर्ष और वजन 8 किलो था। साथ ही उसके दिल के छिद्र का साइज मीडियम था। इसी कारण उस छिद्र को केथलेब में डिवाइस क्लोजर द्वारा बंद करने का निर्णय लिया गया था। दक्षिण गुजरात में पहली बार हमने सफलतापूर्वक इस प्रक्रिया को पूर्ण की। बच्चों को 3 दिन तक अस्पताल में एडमिट किया गया था और चौथे दिन उसे छुट्टी दे दी थी।

अभी तक एपी विंडो का इलाज ओपन हार्ट सर्जरी के द्वारा किया जाता था। परंतु पिछले कुछ सालों में इंडिया के कुछ हॉस्पिटलों में डिवाइस क्लोजर द्वारा एपी विंडो का इलाज किया जा रहा है।

इस बच्चे का इलाज बेबी बिट्स हार्ट सेंटर के डायरेक्टर डॉक्टर स्नेहल पटेल द्वारा किया गया। जिसमें कोकून मस्कुलर वीएसडी डिवाइस का उपयोग करके एपी विंडो को बंद किया गया। सामान्य तौर पर ओपन हार्ट सर्जरी में 4 से 5 घंटे का समय जाता है साथ ही इस प्रक्रिया में मरीज की छाती में चीरा मारकर छाती की हड्डियों को भी काटना पड़ता है। जबकि डिवाइस क्लोजर पद्धति में यह सर्जरी काश लैब में महज 1 घंटे के अंदर हो जाती है। इस पद्धति में मरीज की हड्डियों को भी काटने की जरूरत नहीं पड़ती। मरीज की जांघ में मात्र दो मिलीमीटर का एक छोटा सा छिद्र करके इस सर्जरी को सफलता पूर्वक किया गया।

श्री स्वामीनारायण अकादमी और श्री स्वामीनारायण एचवी विद्यालय में सरस्वती पूजन आयोजित हुई

सुरत। अडाजण में स्थित श्री स्वामीनारायण अकादमी और श्री स्वामीनारायण एचवी विद्यालय ज्ञान शिक्षा और संस्कृति का एक आदर्श मिश्रण है। भारत, भारतीयता और भारतीयता इसी संकल्प के साथ विद्यालय नए विचारों और शिक्षण विधियों के माध्यम से सफलता की ऊंचाइयों को छू रहा है। संस्थापक शास्त्री स्वामी श्री हरिवल्लभ दासजी के आध्यात्मिक मार्गदर्शन में विद्यालय में नैतिक शिक्षा विषय को एकीकृत किया गया है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कोडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स जैसे अत्याधुनिक विषयों के साथ-साथ इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि छात्र सिर्फ एक मानव मशीन बनकर न रह जाए। नैतिक शिक्षा के अंतर्गत मनुष्य को मनुष्य बनाने वाले गुणों के विकास पर जोर दिया जाता है। बच्चों में आध्यात्मिक भागफल और भावनात्मक भागफल विकसित करना शुभ है। बुधवार दिनांक 14/02/2024 को वसंत पंचमी के अवसर पर विद्यालय में वैदिक रीति से सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया। विद्यालय के सभी अंग्रेजी और गुजराती माध्यम के बच्चों और अभिभावकों को यज्ञ पूजा में शामिल होने का अवसर दिया गया। बच्चों ने अपनी क्षमता के अनुसार यज्ञ सामग्री अर्पित कर यज्ञ पुण्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त किया। स्कूल में सी.के. जी. विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र पटेल जैनिश के माता-पिता ने बच्चे के जन्मदिन के अवसर पर सभी बच्चों को शिरा भेंट की। यजमान के रूप में श्री मनोहरसिंह मटियाडा, श्री महेशभाई रिजिया, श्री पार्थभाई एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रिद्धिबेन ने उपस्थित होकर यज्ञ-पूजन का लाभ उठाया तथा गुरुजनों एवं बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया। संस्थापक शास्त्री स्वामी श्री हरि वल्लभ दासजी ने सभी बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी और प्रधानाचार्य श्री दिनेशभाई गोंदलिया ने पूरे विद्यालय परिवार को वसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं।

"श्री श्याम सलौने का,दरबार बसंती है..., श्रृंगार बसंती है..."

सुरत भुमि, सूरत। वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम का सातवाँ पाटोत्सव बसंत पंचमी, बुधवार को धूम-धाम से मनाया गया। इस मौक़े पर मंदिर प्रांगण को दुल्हन की तरह सजाया गया एवं बाबा श्याम का विभिन्न क़स्मि के पीले फूलों से श्रृंगार किया गया व पीला बागा पहनाया गया।

पटोत्सव के मौक़े पर सुबह साढ़े सात बजे से मंदिर पर पूजा विधान का आयोजन किया गया एवं दोपहर को बाबा को राजभोग, छपन्न भोग अर्पण किया गया और महाआरती की गई। इस मौक़े पर सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गयी थी।

शाम पाँच बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकारों के बाद कोलकाता से आमंत्रित गायक कलाकार रवि बेरीवाला एवं दिल्ली से आमंत्रित गायक कलाकार अनु चड्ढा ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। इस दौरान उनके भजनों पर भक्त भाव विभोर हो बाबा का गुणगान किया। देर रात तक चली भजन संध्या में हज़ारों भक्त उपस्थित रहें। पटोत्सव के अवसर पर सभी भक्तों को छप्पन भोग एवं बाबा का ख़ज़ाना का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के रामप्रकाश रुंगटा, विनोद कानोडिया, संतोष माखरिया, कैलाश हाकिम, संदीप बेरीवाला, कमल टाटनवाला, अशोक चौकड़िका सहित कार्यकारिणी के अनेकों सदस्य उपस्थित रहे।

एल.पी. सावनी एकेडमी वेसू ने 14 फरवरी वैलेंटाइन डे समारोह के बजाय कारगिल चौक पर जाकर पुलवामा हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

सूरत। कारगिल विजय दिवस का नाम ऑपरेशन विजय की सफलता के नाम पर भी रखा गया है, 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने मुख्य चौकी की कमान सफलतापूर्वक हासिल कर ली थी, जिसे पाकिस्तानी गस पीढ़ियों ने हमसे छीन लिया था। कारगिल युद्ध 26 जुलाई 1999 को 60 से अधिक दिनों तक लड़ा गया था। वह दिन समाप्त हुआ जिसके परिणामस्वरूप भारत और पाकिस्तान दोनों देशों की सेनाएं साझा कीं और हार के बाद हमने कारगिल पर कब्जा कर लिया। कारगिल युद्ध के नायकों के सम्मान में हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। यह दिन कारगिल सेक्टर में मनाया जाता है और राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के साथ हर साल भारत के प्रधान मंत्री इस दिन इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति के साथ सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हैं। सह शस्त्र बल के उपलक्ष्य में पूरे देश में यह दिन मनाया जाता है। इससे पहले इसी दिन खबर आई थी हमारे टीवी स्क्रीन पर 40 सीआरपीएफ अधिकारियों की शहादत ने देश को झकझोर कर रख दिया, इसलिए हम सभी भारतीयों के साथ कारगिल विजय दिवस पर पुलवामा में आतंकी हमले में शहीद हुए देश के वीर जवानों को श्रद्धांजलि देते हैं।

वेसु में स्थित एल. पी. सवानी 14 फरवरी को जब युवाधन वैलेंटाइन डे मना रहा था, तब स्कूल के छात्रों ने एक अनोखा उत्सव आयोजित किया था। जिसमें 14 फरवरी 2019 को पुलवामा हमले में शहीद हुए हमारे 40 शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई।

इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग में टोयोटा हाईलक्स अहमदाबाद में आयोजित डर्ट बाइक रेस केदूसरे दौर में और उत्साह ले आया

सुरत भुमि, गुजरात। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने गये साल जून में, गर्व के साथ इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग (आईएसआरएल) के संग अपने सहयोग की घोषणा की थी। जाना-माना हाईलक्स इसका आधिकारिक वाहन भागीदार है। यह आईएसआरएल भारत में दुनिया की पहली फ्रेंचाइजी-आधारित सुपरक्रॉस रेसिंग लीग का प्रतीक है। इस साल, लीग ने तीन-राउंड के सीज़न का आयोजन किया है, जो जनवरी 2024 के दौरान पुणे में समाप्त होने वाली अपनी पहली, डर्ट बाइक रेसिंग के साथ शुरू हुआ। इसके बाद, आईएसआरएल सीज़न का दूसरा चरण 11 फरवरी 2024 को अहमदाबाद के ट्रांस स्टेडिया में आयोजित किया गया था। यह टीकेएम और आईएसआरएल के बीच साझेदारी अविस्मरणीय अनुभव तैयार करने, दर्शकों को लुभाने और देश में मोटरस्पोर्ट्स व ऑटोमोबाइल के उत्साही लोगों के लिए नए मानक स्थापित करने के लिए जारी है।

वैश्विक स्तर पर, मोटरस्पोर्ट्स में टोयोटा का एक मजबूत इतिहास है जो 60 साल से भी अधिक पुराना है। इसमें भिन्न प्रमुख मोटरस्पोर्ट आयोजनों में शामिल होना, जुड़ना और चैम्पियनशिप, डकार रैली, वर्ल्ड एंड्योरेंस चैम्पियनशिप आदि में भाग लेना शामिल हैं। टोयोटा के मोटरस्पोर्ट डिविजन जैसे टोयोटा रेसिंग डेवलपमेंट (टीआरडी) और टोयोटा गाजू रेसिंग (टीजीआर) के पास रेसिंग की एक विरासत है जिसके कारण पिछले कुछ वर्षों में ज्ञान का विस्तार हुआ है और लगातार बेहतर कारों का विकास हुआ है। टोयोटा का दृढ़ता से मानना है कि 'हर किसी के अंदर एक रेसर होता है और टीम का हिस्सा होने का मतलब कुछ बड़ा बनाने और एक साथ इतिहास बनाने में भूमिका निभाना है।'

आईएसआरएल दर्शकों का उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से हाईलक्स ने विभिन्न बाधाओं के साथ बारीकी से डिजाइन किए गए उबड़-खाबड़ ट्रैक पर लुभावनी ऑफ-रोडिंग प्रस्तुतियां दीं, जिनमें आर्टिक्यूलेशन, साइड-इनक्लाइन, खड़ी पहाड़ी चढ़ाई और अवरोह शामिल हैं। अपनी उत्कृष्ट ऑफ-रोडिंग क्षमता के लिए मशहूर हाईलक्स को आयोजन क्षेत्रों में तीन रणनीतिक स्थानों पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया था। रेस की शुरुआत से पहले आयोजित आधिकारिक समारोह में डर्ट बाइक्स से लदे टोयोटा हाईलक्स का भव्य प्रवेश हुआ जिसने सुपरक्रॉस ट्रैक पर अपनी अनूठी ताकत का प्रदर्शन किया, जिससे स्टेडियम में दर्शकों को अपार खुशी हुई।

आईएसआरएल के साथ टीकेएम की साझेदारी पर अपने विचार रखते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के बिक्री-सेवा-प्रयुक्त कार व्यवसाय के वाइस प्रेसिडेंट, श्री सबरी मनोहर ने कहा, "इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग डर्ट बाइक स्पोर्ट में उत्कृष्टता का प्रतीक है और हम उनके साथ आधिकारिक वाहन भागीदार के रूप में आकर्षक टोयोटा हाईलक्स को जोड़कर और सहयोग करके रोमांचित हैं।

भारतीय और वैश्विक दोनों क्षेत्रों के प्रसिद्ध सवारों के साथ हाई-एनर्जी, ऑफ-रोड, इन-स्टेडियम सुपरक्रॉस लीग विशेष रूप से निर्मित एक डर्ट ट्रैक पर शुरू हुई है जिसमें खड़ी छलांग और बाधाएं शामिल थीं। रेसिंग के आयोजन में उत्साह की एक अतिरिक्त परत जोड़ते हुए, टोयोटा हाईलक्स, एक आदर्श वाहन भागीदार है, जो 4×4 ड्राइव क्षमताओं का दावा करता है। इसने अपने क्यूरेटेड कार्रवाइयों से दर्शकों के लिए एक आकर्षक प्रदर्शन दिया।

यूनियन म्यूचुअल फंड ने यूनियन बिजनेस साइकिल फंड का नया फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च किया

सुरत भुमि, सूरत। यूनियन एसेट मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (यूनियन एएमसी), यूनियन म्यूचुअल फंड के निवेश प्रबंधक, ने बिजनेस साइकल फंड के लॉन्च की घोषणा की है, जो बिजनेस साइकल-आधारित निवेश थीम के साथ एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है। इस योजना का एनएफओ 13 फरवरी, 2024 को खुलेगा और 27 फरवरी, 2024 को बंद होगा। इस योजना का प्रबंधन दो सह-फंड प्रबंधकों श्री संजय बेम्बलकर और श्री हार्दिक बोरा द्वारा किया जाएगा जो यूनियन एएमसी में सह-इक्विटी प्रमुख हैं।

इस योजना का लक्ष्य अर्थव्यवस्था में व्यापार चक्र के चरण के आधार पर अग्रणी क्षेत्रों (व्यापक बाजार में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले क्षेत्र) और कम प्रदर्शन करने वाले (व्यापक बाजार में खराब प्रदर्शन करने वाले क्षेत्र) के बीच परिसंपत्तियों का आक्रामक आवंटन प्राप्त करना है।

बाज़ार चक्र अक्सर कई परस्पर जुड़े बाज़ार चक्रों का परिणाम होते हैं, जैसे व्यापक आर्थिक चक्र, क्षेत्रीय चक्र, कॉर्पोरेट चक्र, तरलता चक्र और बाज़ार भावना चक्र। इस साइकिलिस्ट स्थिति में चक्रीय, आवृत्ति और परिमाण की अलग-अलग डिग्री के साथ निवेशकों को बेहतर प्रदर्शन के साथ विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट निवेश के अवसर प्रदान करता है।

यूनियन एएमसी के मुख्य निवेश अधिकारी श्री हर्षद पटवर्धन ने कहा, "केवल एक पेशेवर मनी मैनेजर ही निरंतर प्रदर्शन उत्पन्न करने पर ध्यान केंद्रित करता है, क्योंकि बाजार चक्रीय रुझानों को अपनाते हैं और लंबी अवधि को छोटी शर्तों की श्रृंखला के रूप में मानते हैं। स्थिति को समायोजित करना 'हम चक्र में कहां हैं' के अनुसार पोर्टफोलियो लागत को कम करने और पदों से परिचित होकर रिटर्न को अनुकूलित करने में मदद करता है।'

इस योजना में न्यूनतम निवेश 1,000 रुपये है और उसके बाद 1 रुपये के गुणक में है, और आवंटन की तारीख से 1 वर्ष या उससे पहले यूनिट को भुनाया/स्विच आउट किया जाता है तो 1ल का निकास भार होता है। यह योजना सामान्य पोर्टफोलियो के भीतर प्रत्यक्ष योजना और नियमित योजना प्रदान करती है, और प्रत्येक योजना के तहत यह योजना विकास विकल्प और आय वितरण सह पूंजी निकासी (आईडीसीडब्ल्यू) विकल्प प्रदान करती है।

सनराइज एफिशिएंट मार्केटिंग लिमिटेड, बोनस पर विचार करेंगे

सुरत भुमि। इंडक्शन मोटर्स, पावर ट्रांसमिशन उत्पाद, एलईडी लाइटिंग फिटिंग, स्नेहक और ऑटोमेशन उत्पाद आपूर्तिकर्ता बीएसई सूचीबद्ध सनराइज एफिशिएंट मार्केटिंग लिमिटेड (स्क्रिप कोड एसईएमएल / 5435-15) बोर्ड 27 फरवरी 2024 को सुबह 11 बजे शेयर धारकों को बोनस शेयरों के आवंटन और अन्य मामलों पर विचार करेगा। इस बैठक की घोषणा कर दी गई है।

बोर्ड बैठक में कंपनी की अधिकृत पूंजी में बढ़ोतरी पर विचार करने और मंजूरी देने पर बोर्ड चर्चा करेगा. सदस्यों के अनुमोदन के अधीन कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी देना, कंपनी की विशेष आम बैठक की तारीख, समय और स्थान तय करना और विशेष आम बैठक की मसौदा सूचना को मंजूरी देना। मतदान के उद्देश्य और बुक क्लोजर डेट और बोनस इश्यू के लिए कट-ऑफ डेट आदि मुद्दों पर चर्चा के लिए आएंगे विशेष आम बैठक में मतदान के प्रयोजन से तथा अध्यक्ष की अनुमति से किसी अन्य मामले के लिए संवीक्षक मेसर्स धीरेन आर. डेव एंड कंपनी, कंपनी के प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिवों की नियुक्ति। कंपनी, उचित समय पर, बोनस शेयर प्राप्त करने के हकदार शेयरधारकों को निर्धारित करने के लिए "रिकॉर्ड तिथि" अधिसूचित करेगी। सनराइज एफिशिएंट मार्केटिंग लिमिटेड को पहले सनराइज मार्केटिंग के नाम से जाना जाता था और इसकी स्थापना वर्ष 2002 में हुई थी। कंपनी ने रणनीतिक रूप से अपने बुनियादी ढांचे का विस्तार किया है, नई व्यावसायिक लाइनें जोड़ी हैं, नई जगहें जोड़ने के लिए विभिन्न उद्योग जगत के नेताओं के साथ साझेदारी की है। इसका उद्देश्य ग्राहकों को नवीनतम तकनीक का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाले और ऊर्जा-कुशल उत्पाद और स्वचालन समाधान प्रदान करना है। इसने ग्राहक उन्मुख दृष्टिकोण और कार्य नीति की मदद से लगातार विकास और प्रतिष्ठित ग्राहक वर्ग हासिल किया है। हमारी प्रतिष्ठा इसकी प्रतिबद्धता, सेवा और ग्राहक संतुष्टि पर बनी है। हम विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों के लिए भारत के अग्रणी स्टॉकिस्ट/डीलर/चैनल साझेदारों में से हैं।

हमारी मजबूत प्रणाली समय पर और सिंगल-स्ट्रोक डिलीवरी है। हम सभी प्रकार के IE 2 और IE 3 ग्रेड इंडक्शन मोटर्स, पावर ट्रांसमिशन उत्पादों जैसे वर्म और हेलिकल गियर बॉक्स, एलईडी लाइटिंग फिटिंग, हाइड्रोलिक तेल, गियर तेल और सभी प्रकार के थर्मल तरल पदार्थों का एक बड़ा स्टॉक रखते हैं। डिलीवरी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए औद्योगिक पंप, रासायनिक पंप। हमने हाल ही में सभी प्रकार के समाधान पेश करने वाला एक ड्राइव और ऑटोमेशन डिवीजन लॉन्च किया है।

भारत में रु. 30 करोड़ रुपये के नकली एचपी इंक टोनर और कार्टीज्झ जब्त किए

सुरत भुमि। एचपी एंटी-जालसाजी और धोखाधड़ी (एसीएफ) रिपोर्ट के अनुसार, भारत में नवंबर 2022-अक्टूबर 2023 के दौरान लगभग रु. 30 करोड़ रुपये के नकली एचपी उत्पाद जब्त किए गए हैं। इस अवधि के दौरान, भारत में कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने एचपी की जालसाजी विरोधी पहल का समर्थन करते हुए, बाजार से लगभग 4.4 लाख मूल्य के अवैध उत्पादों को सफलतापूर्वक जब्त कर लिया। वस्तुओं में कई नकली टोनर और स्याही कारतूस भी शामिल थे, जो उनके प्रसार को रोककर उपभोक्ताओं को उनकी संभावित बिक्री को रोकते थे। इनमें से अधिकांश ऑपरेशन मुंबई में किए गए, जहां 1 लाख से अधिक अवैध वस्तुएं जब्त की गईं।

एचपी के जालसाजी और धोखाधड़ी विरोधी (एसीएफ) कार्यक्रम का उद्देश्य बाजार और उपभोक्ताओं को नकली एचपी उत्पादों से बचाना है, साथ ही भारत के धोखाधड़ी वाले मुद्रण आपूर्ति बाजार के स्तर और गंभीरता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। हालाँकि नकली स्याही और टोनर कार्ट्रिज एचपी मूल के समान दिखते हैं, लेकिन उनकी गुणवत्ता अक्सर खराब होती है। यह सब उपयोगकर्ताओं के लिए कई अन्य गंभीर जोखिमों के साथ आता है, जैसे खराब गुणवत्ता वाला प्रिंटआउट, प्रिंटर की क्षति और नकली लीकेज कार्ट्रिज के कारण अतिरिक्त लागत, और बेकार नकली कार्ट्रिज के कारण पैसे की बर्बादी, आदि। शुनीस राघवन, वरिष्ठ निदेशक, प्रिंटिंग सिस्टम, एचपी इंडिया का कहना है कि हम जालसाजी विरोधी और धोखाधड़ी कार्यक्रमों के माध्यम से अपने मूल्यवान ग्राहकों को नकली उत्पादों से बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह पहल सुनिश्चित करती है कि व्यक्तियों को एचपी उत्पादों से प्रामाणिक एचपी उत्पाद प्राप्त हों, जिससे गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए ग्राहकों की रुचि बनी रहे। ग्राहक वितरण निरीक्षण सेवा जैसी पहलों के माध्यम से, हम ग्राहकों को उनकी मुद्रण आपूर्ति सुनिश्चित करने, विश्वास कायम करने और मानसिक शांति सुनिश्चित करने के लिए सशक्त बनाते हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग से और चल रहे जागरूकता अभियानों की मदद से, हम जालसाजी से लड़ने, उपभोक्ता विश्वास बनाए रखने और उद्योग मानकों को बनाए रखने का प्रयास करते हैं।

भारत में, एचपी एक नि:शुल्क ग्राहक वितरण निरीक्षण (सीडीआई) सेवा प्रदान करता है, जो मुख्य रूप से उद्यमों और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों जैसे कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए डिज़ाइन की गई है। यदि ग्राहकों को बड़े और मध्यम आकार की मुद्रण आपूर्ति की डिलीवरी में नकली होने का संदेह है, तो वे निःशुल्क निरीक्षण का अनुरोध कर सकते हैं, जिसे एचपी एक गैर-बाध्यकारी निमंत्रण के रूप में पेश करता है। 2023 में, भारत में इसके 300 ग्राहकों ने डिलीवरी निरीक्षण किया। (31 अक्टूबर 2023 को समाप्त होने वाले 12 महीनों को ध्यान में रखते हुए)।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)